



सैन्यबलों के लिए बनेगा खास ब्रॉडबैंड नेटवर्क

देशभर के 30 लाख कर्मियों को मिलेगी सुविधा

गृह मंत्रालय का आदेश ,डिजिटल की ओर पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस, अर्धसैनिक बलों और आपदा राहत से जुड़े कर्मियों के बीच संचार व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय करीब 30 लाख कर्मियों के लिए देशव्यापी समर्पित ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित करना चाहता है। इसके जरिए जरूरत के समय सुरक्षित और तेज संचार के साथ आवाज, वीडियो और डेटा साझा करने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस प्रस्तावित नेटवर्क के डिजाइन और तकनीकी ढांचे को लेकर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे। इस पहल



का उद्देश्य पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को ऐसा संचार तंत्र उपलब्ध कराना है, जो गंभीर परिस्थितियों में भी उनके काम आ सके।

सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभाग शामिल- गृह मंत्रालय के प्रस्तावित नेटवर्क का नाम ब्रॉडबैंड पब्लिक प्रोटेक्शन एंड डिजास्टर रिलीफ है। यह देशभर में सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभागों के लिए तैयार किया जाएगा। इस नेटवर्क के तहत मिशन क्रिटिकल पुश-टू-टॉक मिशन क्रिटिकल डेटा और मिशन क्रिटिकल वीडियो जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

30 लाख उपकरणों की जरूरत,तीन श्रेणियों में बांटने की योजना

गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस परियोजना के लिए करीब 30 लाख हैंडसेट की जरूरत का अनुमान है। इन्हें कर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की योजना है। मंत्रालय के अनुसार, फील्ड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के अनुकूल बनाया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए स्मार्टफोन श्रेणी के उपकरण और अन्य जरूरतों के लिए रिथर या वाहन में लगाए जाने वाले उपकरण प्रस्तावित हैं। बॉडी-वॉन कैमरों यानी शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरों की संख्या अभी तय नहीं की गई है। इस परियोजना के लिए गृह मंत्रालय को 8 14-824 मेगाहर्ट्ज और 859-869 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम का सैद्धांतिक आवंटन मिला है। ये फ्रीक्वेंसी सामान्य मोबाइल ब्रॉडबैंड के प्रचलित बैंड से अलग हैं। मंत्रालय ने इन फ्रीक्वेंसी पर काम करने वाले रेडियो उपकरणों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध डिवाइस की जानकारी भी मांगी है। इससे नेटवर्क के लिए जरूरी तकनीक की उपलब्धता और उसकी व्यावहारिक उपयोगिता का आकलन होगा।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता की मेजबानी करेगी नौसेना

3 सितंबर से होगा संवाद, 18 देशों के एक्सपर्ट होंगे शामिल

जलवायु

परिवर्तन-उभरती तकनीकों पर मिलकर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना तीन से पांच नवंबर तक नई दिल्ली में इंडो-पैसिफिक रणनीतिक वार्ता की मेजबानी करेगी। इस दौरान कई देशों के विशेषज्ञ समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता और उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श करेंगे। शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम के पहले दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का संबोधन होगा। मंत्रालय के अनुसार, इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में मंत्रिस्तरीय एवं अन्य विशेष संबोधनों के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र के 18 देशों के समुद्री पेशेवरों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के योगदान भी शामिल होंगे। मंत्रालय ने कहा कि समाधान-उन्मुख संवाद पर आईपीआरडी



के विशेष ध्यान के मद्देनजर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विचार-विमर्श राष्ट्रीय, उप-क्षेत्रीय और व्यापक क्षेत्रीय स्तरों पर विशिष्ट एवं कार्रवाई योग्य उपायों की पहचान पर केंद्रित होगा।

इन उपायों को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सौहार्द, सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने वाली द्विपक्षीय, त्रिपक्षीय और बहुपक्षीय संरचनाओं के मौजूदा तंत्रों के माध्यम से लागू किया जा सकेगा। संयुक्त

अनुसंधान, सहयोग से प्रौद्योगिकी विकास, जिम्मेदार शासन, वैज्ञानिक आकड़ों तक उचित पहुंच और संस्थागत साझेदारी को मजबूत करने के लिए ‘‘व्यावहारिक रास्तों’’ पर भी विचार किया जायेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद (आईपीआरडी) 2026 ‘‘हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक सहयोग’’ विषय पर केंद्रित होगा।

18 देशों के विशेषज्ञ होंगे शामिल

इसने बताया कि इस सम्मेलन में 18 देशों के विशेषज्ञ एकात्र होंगे और इसमें शैक्षणिक नेटवर्क, समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श किया जायेगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस संवाद के पिछले संस्करणों में हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के सात परस्पर जुड़े समुद्री प्राथमिकता क्षेत्रों के चुनिंदा पहलुओं पर विचार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2019 में बैंकॉक में आयोजित 14वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में इस पहल की घोषणा की थी।

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ यूएसए से गिरफ्तार

30 से ज्यादा मामले दर्ज, 2023 में इंटरपोल ने

रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था। हिमांशु भाऊ को गैंग ने ही 2025 में यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। हिमांशु की लॉरेंस और गोल्डी बराड गैंग से दुश्मनी मानी जाती है। इसी मामले में एक अन्य भगोड़े नीरज फरीदपुरिया को भी पकड़ा गया। बताया गया है कि वह इस साल जमानत पर रिहा होने के बाद अपने टखने में लगा निगरानी ट्रैकर हटाकर बचा रहा।



कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन से जुड़े छह लोग गिरफ्तार

इनमें चार महिलाएं शामिल
होटल में हुई सीक्रेट बैठकें

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बादीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पार से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बादीपोरा



और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बादीपोरा-बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। जांचकर्ताओं को एक साल से ज्यादा समय में करीब 7 से 8 लाख के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। मामले में यूएपीए की धारा 10 और 13 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

संक्षिप्तसमाचार

हर बूथ पर बढ़ाएं अपनी विचारधारा के वोट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी संगठन और विधायकों को बूथ स्तर पर मोर्चा संभालने के कड़े निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश भर के भाजपा विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को पूरी मुरस्देदी से चलाने का अल्टीमेटम दिया। सीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल कराना अनिवार्य है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं के नाम गांवों की सूची में दर्ज हैं और वे अब शहरी इलाकों में रह रहे हैं, तो उनके नाम शहर की मतदाता सूची में ट्रांसफर कराने के लिए अभियान चलाएं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाध्यक्षों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया में केवल खानापूर्ति या लोपापोती नहीं होनी चाहिए। हर पोलिंग बूथ पर पार्टी की विचारधारा से जुड़े समर्थकों का वोट बढ़ाना प्राथमिक कार्य है। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान जिन पात्र मतदाताओं के नाम गलती से कट गए थे।

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही नॉनवेज रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाना और परोसने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और विपक्षी सीपीएम ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सोमन सेन ने उन्हें पद की शपथ

दिलाई थी। केरलम में 97 ब लोग मांसाहारी हैं। देश में सबसे ज्यादा नॉन-वेज खाने वाले लोग तेलंगाना में हैं। लोकसभा सांसद के सी रेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं या बाहर खाना खाते हैं। उनके खाने की पसंद पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा संदिग्ध पकड़ाया

फोन में अतंकी मसूद अजहर की ऑडियो विलप मिली

आरोपी बिहार का रहने वाला

मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अब्दुल सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था। एटीएस के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो विलप मिली है। जांच एजेंसी उसके

सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया।

पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था। एटीएस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्क थे या नहीं। मामले की जांच मुंबई एटीएस की कालाचौकी यूनिट कर रही है। 10 साल से मुंबई में रह रहा था आरोपी- रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी बिहार का रहने वाला है और करीब 10 साल से मुंबई में रह रहा था। वह माहिम इलाके में बाबा फत्तुद के पास परफ्यूम बेचता था। इसके अलावा, वह रैपिडो ड्राइवर के तौर पर भी काम करता था। मुंबई एटीएस की कालाचौकी यूनिट ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

कैबिनेट विस्तार से पहले पीएम करेंगे बैठक

सभी मंत्रालयों की सचिवों के साथ होगी यह मीटिंग

प्रधानमंत्री के पास पहुंचेगा मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बनाने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिफार्म एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखता दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों से उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट ली जाएगी। वह समग्र रिपोर्ट प्रधानमंत्री तक जाएगी, जिसके बाद ईज आफ डूइंग और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं। एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर पूरी रिपोर्ट तैयार की जाए।

पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी रिपोर्ट

बताया गया है कि यह रिपोर्ट पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक के बाद कुछ निर्णय किए जा सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी लगातार रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि व्यापार करने में सुगमता के साथ ही ईज आफ लिविंग यानी जीवन जीने में सुगमता शहरों के साथ ही कस्बों और गांवों तक भी पहुंचनी चाहिए। सरकार के इस ताजा प्रयास को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष का आंदोलन इसी थीम पर चल रहा है कि सरकार के प्रति जनता के विश्वास को कम किया जाए। इसी आधार पर रिजमी चेंज जैसे असंवैधानिक दावे भी किए जा रहे हैं। वहीं, सरकार का प्रयास है कि अब तक जिस तरह से जनता के हितों को केंद्र में रखकर योजनाओं धरातल पर उतारा गया है, उन्हें सैचुरेशन मोड पर पहुंचाया जाए। पिछले दिनों इसके लिए देशभर में जनता से जुड़ी योजनाओं से संबंधित विभागों के शिविर भी लगाए गए। साथ ही रिफार्म एक्सप्रेस का भी गियर बदल सकते हैं।

देश में अब डिजिटल क्रांति से बदलेगी खेती

तय समय से 5 महीने पहले बनीं 11 करोड़ फार्मर आईडी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जताई बेहद खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2027 तक 11 करोड़ किसानों को फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य रखा था लेकिन इसे पांच माह पहले हुए हासिल कर लिया गया है। देश में 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनने पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा है कि आज का दिन भारतीय खेती, कृषि और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।

किसानों को समृद्ध बनाने के लिए टेक्नोलॉजी जरूरी- उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, विकसित भारत के लिए, विकसित कृषि और समृद्ध किसान और खेती को विकसित और किसान को समृद्ध बनाने के लिए, आधुनिक टेक्नोलॉजी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि कई तरह की योजनाएं

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में किसानों के लिए चल रही है। उन योजनाओं का लाभ सही समय पर, सही किसान को मिले, यह भी जरूरी है। इसलिए डिजिटल कृषि मिशन बनाया गया और उस मिशन के अंतर्गत यह तय किया गया कि अब हर किसान की अलग पहचान होगी, फार्मर आईडी बनाई जाएगी।

पीएम मोदी द्वारा तय किए लक्ष्य का किया जिक्र- उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने लक्ष्य तय किया था कि मार्च 2027 तक 11 करोड़ फार्मर आईडी बन जाने चाहिए। लेकिन तय समय से 5 महीने पहले ही 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का काम पूरा हो गया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बताया कि अब यह फार्मर आईडी के माध्यम से योजनाओं का पारदर्शी तरीके से लाभ मिलेगा। बैंक का ऋण हो, कोई कागज के पेट नहीं भरने पड़ेंगे, कि बार-बार यह कागज लाओ, वह कागज लाओ।

विपक्ष प्रभावी भूमिका में दिखाई नहीं देता

भारत में विपक्ष आज गंभीर विश्वसनीयता के संकट से गुजर रहा है। लगातार जिस प्रकार के विषय, विचार और मुद्दे विपक्ष उठा रहा है, वे न तो तर्कसंगत हैं और न ही तथ्यपरक। आम आदमी की बुनियादी सुविधाओं से लेकर आकांक्षी भारत की अपेक्षाओं और देश की नीतिगत चुनौतियों तक, विपक्ष प्रभावी भूमिका में दिखाई नहीं देता। जनता के वास्तविक प्रश्नों पर ठोस विकल्प देने के बजाय वह नैरेटिव की पेसी आभासी लड़ाइ में उलझा है, जिसकी बुनियाद कई बार तथ्यों से अधिक मात्र राजनीतिक आरोपों पर दिखाई देती है।लोकतंत्र में सरकारों की समीक्षा बहुत होती है लेकिन विपक्ष की नहीं।देश ने विपक्ष को संवैधानिक भूमिका सौंप रखी है। विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता । संकट तब और गहरा जाता है जब अपनी यह भूमिका निभाना तो दूर बल्कि विपक्ष का नेतृत्व हठधर्मी हो जाए एवं उसपर सामंती अहंकार सवार हो।देश की अराजकता पर धकेलने का प्रयास होता है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक कांग्रेस स्वयं या विभिन्न दलों के समर्थन से केंद्र की सत्ता में रही। देश की आर्थिक नीतियों, बजट, प्रशासनिक व्यवस्था और विकास की दिशा तय करने में उसकी निर्णायक भूमिका रही। बीच में गैर-कांग्रेसी सरकारें भी आईं, लेकिन कई दशकों तक राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का प्रभुत्व रहा। इसलिए उसके लंबे शासन की उपलब्धियों के साथ उसकी विफलताओं और नीतिगत निर्णयों की जवाबदेही से भी उसे बचाया नहीं जा सकता।समय के साथ भ्रष्टाचार के आरोप, प्रशासनिक अकर्मण्यता, नीतिगत असमंजस और नेतृत्व से जुड़े प्रश्न राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आए। जनता के बीच असंतोष बढ़ा और कांग्रेस का राजनीतिक आधार कमजोर होता गया।

2014 में इस असंतोष ने निर्णायक रूप लिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया और केंद्र में भाजपा नीत सरकार बनी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जनता के बदलते रूझान का स्पष्ट संकेत था। यहीं से विपक्ष के सामने आत्मसंभन का अवसर था। चुनावी पराजय के कारणों को समझना, संगठन और नेतृत्व की कमियों को स्वीकार करना तथा जनता के सामने नई नीतियों और नए विकल्प के साथ जाना किसी भी लोकतांत्रिक दल का स्वाभाविक रास्ता होना चाहिए। विपक्ष के एक हिस्से ने इसके बजाय चुनावी जनादेश पर ही प्रश्न उठाने शुरू कर दिए। माइन्स्टिरियन डेमोक्रेसी, पोस्ट ट्रुथ पॉलिटिक्स, मेनूप्रैक्सेड वेब जैसे शब्द गढ़ कर 2014 के जनादेश को झुटलाने का प्रयास हुआ।

बाद में ईवीएम के बहाने नए जनादेश को गुलत बताया जाने लगा। चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्न उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है लेकिन गंभीर आरोपों को प्रमाणित करना भी उतना ही आवश्यक है। निर्वाचन आयोग ने ईवीएम में कथित छेड़छाड़ को प्रदर्शित करने का अवसर राजनीतिक दलों को दिया। इसके बावजूद आज तक ऐसा कोई प्रमाणित मामला सामने नहीं आया जिसने यह सिद्ध किया हो कि देश के चुनावों में ईवीएम के माध्यम से व्यवस्थित रूप से जनादेश बदला गया। वीवीपीएटी और मतगणना की निर्धारित प्रक्रियाएँ चुनावी सत्यापन का हिस्सा हैं। क्या आज तक किसी भी मतदान केंद्र पर ईवीएम की गणना और वीवीपेट पचीं की गणना में कोई अंतर पाया गया ? क्या इस बारे में कोई इसे गलत ठहराते हुए किसी प्रकरण पर न्यायालय ने कोई निर्णय दिया है ? प्रश्न ईवीएम पर सवाल उठाने का नहीं, बल्कि उस सवाल को प्रमाणित करने का है। किसी आरोप को लगातार दोहराने से वह तथ्य नहीं बन जाता। लोकतंत्र में संदेह की जगह है, लेकिन संदेह को प्रमाण का स्थान नहीं दिया जा सकता।

अब इस बार चुनाव आयोग की ही संदिग्ध बनाने के कार्य किया जा रहा है। स्टूट्रक के बहाने या कभी किसी अख़बार की खबर के आधार पर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े कर एक संवैधानिक संस्था को बिना किसी साक्ष्य के संदिग्ध बनाकर स्वयं नेतृत्व और अपने दल की घोर पराजय से मुंह छिपाया जा रहा है। यहाँ तक कि इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की ही कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है। विपक्ष की समस्या यही समाप्त नहीं होती। सरकार की नीतियों से असहमति उसका लोकतांत्रिक अधिकार और दायित्व है लेकिन केवल विरोध किसी राजनीतिक दल को विकल्प नहीं बनाता। आज का भारत आकांक्षी भारत है। जिसे नरेंद्र मोदी ने समझा है और उस ओर अपनी सरकार के तेजी से कदम बढ़ाये हैं। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनावी राजनीति और सरकार का विमर्श बदला है। नागरिक बेहतर सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा के साथ आधुनिक बुनियादी ढाँचा, तकनीक, निवेश के नए अवसर पर चर्चा करता है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित



मनोज कुमार अग्रवाल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों और वारदातों पर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते बलात्कार और यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय और एमसीडी को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर विस्तृत सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट मांगी है। आपको बता दें कि दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में बंदूक की नोक पर पुलिसकर्मों बनकर 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इससे पहले दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।

इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही एक चलती स्लीपर बस के भीतर एक और नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया गया। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में सड़क, मेट्रो और बसों में महिलाओं से छेड़खानी और यौन उत्पीड़न की

घटनाएँ बढ़ रही हैं, जिससे महिलाएँ डर के मोरे अपने सफर का समय और मार्ग बदलने को मजबूर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल वारदात होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं है; पुलिस का मुख्य काम अपराध होने से रोकना होना चाहिए। कोर्ट ने रात के समय महिलाओं की सुरक्षा, प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त शराबी, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। एनसीआरबी के हालिया डेटा के मुताबिक, देश के सभी महानगरों की तुलना में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जा रहे हैं, जिसके कारण यह लगातार असुरक्षित शहरों की सूची में ऊपर बना हुआ है। हाल ही में दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर विभिन्न महिला संगठनों और कार्यकर्ताओं ने महिलाओं और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा एवं उत्पीड़न के मामलों में जवाबदेही और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए हैंदेश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के आस-पास के क्षेत्र जिसे एन.सी.आर. भी कहा जाता है, में महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उभर कर बार-बार सामने आ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस क्षेत्र में विगत दिवस नाबालिग लड़कियों और महिलाओं के साथ हुए अपराधों से संबंधित समाचारों का स्वयं ही गम्भीर संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणियां की थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी के आस-पास घंटित होती ऐसी घटनाएँ कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विफलता को दर्शाती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष रूप से इस संबंध में दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दिल्ली के स्वरूप नगर क्षेत्र में कथित सामूहिक दुष्कर्म के उपरांत नाबालिग लड़की की हत्या और चलती स्लीपर बस में एक और नाबालिग लड़की

ब्रह्मांडीय ऊर्जा, अमृतमयी चांदनी और आत्मिक आनंद का पर्व शरद पूर्णिमा



योगेश कुमार गोयल

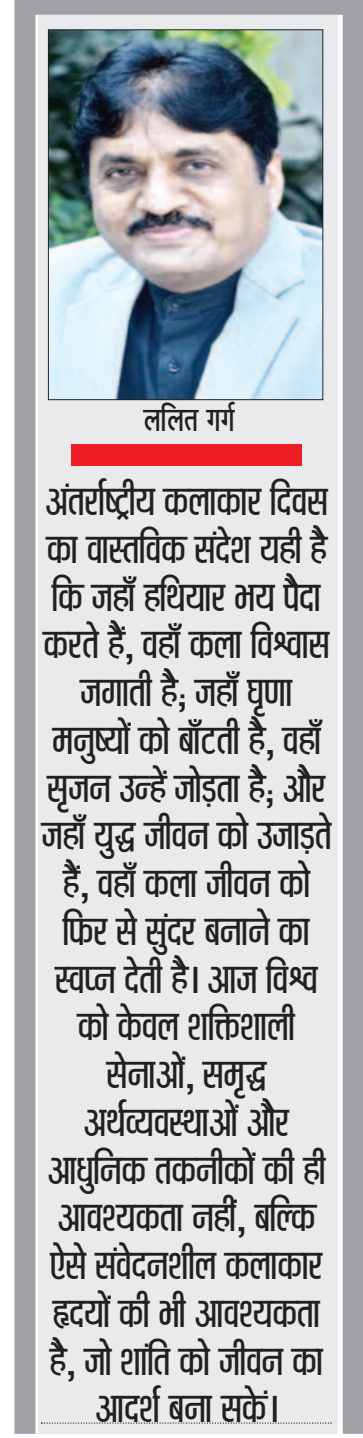
शरद पूर्णिमा: जब चांदनी में उतरता है अमृत का अहसास हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष यह पावन तिथि 25 अक्टूबर को है, इसलिए शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर को मनाई जाएगी। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दृष्टिया उजास में नहा उठती हैं। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा की औषधियों का स्वामी माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'मैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को छूट करता हूँ।' ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा

के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और ब्रज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं। शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में

के कथित शारीरिक शोषण आदि से संबंधित समाचारों का संज्ञान लिया था। इस मामले के संबंध में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद की पीठ ने सुनवाई करते हुए टिप्पणी की थी कि घटित उपरोक्त घटनाओं की तुलना 2012 में दिल्ली में घटित हुए निर्भया कांड से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि निर्भया कांड के बाद अब तक भी कानून व्यवस्था में कोई सुधार हुआ है या नहीं? उन्होंने यह भी कहा कि इन घटनाओं से एक बार फिर कानून लागू करने वाली एजेंसियाँ और सिविल प्रशासन की विफलता सामने आई है और सिस्टम लोगों को मूलभूत सुरक्षा मुद्दाया करने में विफल होता दिखाई दे रहा है। माननीय न्यायाधीशों ने यह भी कहा था कि दिल्ली के पार्कों, सड़कों, बसें, मेट्रो स्टेशनों, भूमिगत रास्तों और पैदल चलने वाले स्थानों विशेष रूप से जिन क्षेत्रों में रात को रोशनी कम होती है, को जोखिम वाले क्षेत्र बनने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। नि:संदेह सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त न्यायाधीशों द्वारा दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्र में महिलाओं की असुरक्षा संबंधी की गई टिप्पणियां बेहद गम्भीर थीं और इनका न केवल दिल्ली के प्रशासन को, अपितु केन्द्र सरकार और देश के अन्य विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रशासन को ही गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिए। इस संबंध में दीर्घ विचार-विमर्श होना चाहिए कि सरकारों के ज्यादातर यत्नों और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा संबंधी कड़े कानून बनाने के बावजूद देश के अधिकतर भागों में आज भी महिलाएं सुरक्षित क्यों नहीं हैं? असामाजिक तत्वों के मन में सरकार और संबंधित प्रशासन का कोई डर क्यों नहीं है? केन्द्र से लेकर राज्य स्तर तक देश में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित बनाने के लिए गम्भीर चर्चा करके कोई उचित कार्य योजना बनाने की जरूरत फिर महसूस हो रही है। सरकारों को इस संबंध में यह

भी देखना चाहिए, कि अमन-कानून लागू करने वाली एजेंसियां इस संबंध में क्यों विफल रहती हैं? उनकी कार्यशैली में और किस प्रकार के सुधार किए जा सकते हैं? इसके साथ-साथ सरकारों को यह भी देखने की जरूरत है कि समाज में ऐसे तत्व क्यों बढ़-फूल रहे हैं, जोकि महिलाओं का मान-सम्मान करने के स्थान पर उनका शारीरिक शोषण करने को तैयार रहते हैं। उनकी ऐसी मानसिकता कहां से बनती है? क्या इसका कारण सोशल मीडिया पर मौजूद अश्लील सामग्री तो नहीं है? क्या इसका कारण मनोरंजन चैनलों पर लगातार चलते अश्लील किस्म के धारावाहिक तो नहीं हैं या क्या इसका कारण यह तो नहीं है कि हमारा समाज परिवारिक नैतिक मूल्यों से वंचित होता जा रहा है। परिवारों के भीतर अभिभावकों द्वारा जो नितर अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती थी, उसमें कोई कमी तो नहीं आ गई। ये सभी ज्वलंत सवाल हैं, जिनके संबंध में गम्भीरता से सोचने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला सिर्फ अमन-कानून का ही नहीं, अपितु हमारे समाज के भीतर नैतिक मूल्यों के पक्ष से आ रही बड़ी गिरावट का भी है। यह भी देखना चाहिए कि इस संबंध में हमारी शिक्षण संस्थाएं-स्कूलों से लेकर उच्च शैक्षणिक संस्थानों तक क्या और कैसी भूमिका निभा सकते हैं? एक तरफ हमारे राजनीतिक नेता दिन-रात भारत के विकसित राष्ट्र बनने की डींगें हांकते नहीं थकते, दूसरी तरफ हमारे समाज की कड़वी हकीकत यह है कि हमारी आधी दुनिया (महिलाएं) देश के किसी भी कोने में सुरक्षित नहीं हैं। यदि देश को सही अर्थ में विकसित राष्ट्र बनाना है तो प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं के पुरुषों के समान ही बड़े योगदान की जरूरत है। महिलाएं विकास और संतुलित समाज के निर्माण में तभी बड़ा योगदान डाल सकती हैं, यदि वह प्रत्येक स्थान पर स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगी।

कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी



ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि जहाँ हथियार भय पैदा करते हैं, वहाँ कला विश्वास जगाती है; जहाँ घृणा मनुष्यों को बाँटती है, वहाँ सृजन उन्हें जोड़ता है; और जहाँ युद्ध जीवन को उजाड़ते हैं, वहाँ कला जीवन को फिर से सुंदर बनाने का स्वप्न देती है। आज विश्व को केवल शक्तिशाली सेनाओं, समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं और आधुनिक तकनीकों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील कलाकार हृदयों की भी आवश्यकता है, जो शांति को जीवन का आदर्श बना सकें।

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम का संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इन दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है।

वर्तमान विश्व की विडंबना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है; दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारें भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भेंट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल ऊँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कुत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुस्थित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं



कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए। राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हितों, सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गुणित में उलझ जाती हैं, वहाँ कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उजड़े घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी धुन छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा में झलकती पीड़ा और किसी मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है। कला और युद्ध के बीच का अंतर भी गहरे चिंतन का विषय है। युद्ध की मानसिकता दूसरे को पराजित करने में अपनी विजय खोजती है, जबकि कला दूसरे के अनुभव को समझने की दृष्टि प्रदान करती है। युद्ध सीमाओं पर दीवारें खड़ी करता है, कला उन दीवारों के पर झौंकना सिखाती है। हथियार शरीर को घायल करते हैं, किंतु घृणा मनुष्य की आत्मा की भी आहत करती है; कला उस आत्मा के घावों को भरने का प्रयास करती है। जहाँ हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है, वहाँ सच्चा कलात्मक सृजन सहानुभूति और आत्ममथन

की प्रेरणा देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कला अकेले युद्ध रोक सकती है अथवा कलाकारों की अभिव्यक्ति मात्र से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। युद्धों को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, न्यायपूर्ण नीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी संस्थाएँ आवश्यक हैं। लेकिन इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए ऐसी मानवीय चेतना चाहिए, जो हिंसा को गौत्व और शांति को कमजोरी न समझे। कला इसी चेतना के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कला का संबंध केवल मनोरंजन से नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है, नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है, साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकांत का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृश्य, घटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं। इन विविध अभिव्यक्तियों को स्थान देना संवाद, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को मजबूत करता है। इसके बावजूद आज कलाकारों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। बाजार का दबाव कई बार कला को केवल लाभ और लोकप्रियता की कसौटी पर परखता है। त्वरित प्रसिद्धि की चाह, अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध, सांस्कृतिक असहिष्णुता और रचनात्मक स्वतंत्रता के प्रति संदेह कलाकार

की संभावनाओं को सीमित कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों ने सृजन के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन सतही लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा ने गंभीर कलात्मक अभिव्यक्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। कलाकार का सम्मान केवल पुरस्कार देकर या उसकी रचना की प्रशंसा करके पूरा नहीं होता; उसे स्वतंत्र अभिव्यक्ति, गरिमापूर्ण आजीविका, उचित प्रशिक्षण और सुरक्षित रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। साथ ही कलाकारों का दायित्व है कि वे अपनी स्वतंत्रता का उपयोग समाज में घृणा फैलाने के बजाय विवेक, संवेदना और संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए करें।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस हमें इस दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का अवसर देता है। विशेष रूप से नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सृजनशीलता का सर्वोच्च उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज को अधिक न्यायपूर्ण, सुंदर और मानवीय बनाने में है। वास्तव में कला मनुष्य को यह विश्वास दिलाती है कि विनाश के अंधकार के बीच ही सृजन का दीप जलाया जा सकता है। वह हमें सिखाती है कि जीवन का सौंदर्य दूसरों को पराजित करने में नहीं, उनके साथ मिलकर जीने में है; भिन्नता का अर्थ केवल समान विचारों वालों से निकटता नहीं, बल्कि भिन्नताओं के बावजूद सम्मान बनाए रखना है; और शांति का अर्थ केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, करुणा और परस्पर विश्वास की उपस्थिति भी है। कलाकार अपने रंगों, स्वरों, शब्दों, मुद्राओं और कल्पनाओं से ऐसे विश्व की तस्वीर रच सकते हैं, जिसमें मनुष्य की पहचान उसकी जाति, भाषा, धर्म या राष्ट्रीयता से पहले उसकी मानवीय गरिमा से हो।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि जहाँ हथियार भय पैदा करते हैं, वहाँ कला विश्वास जगाती है; जहाँ घृणा मनुष्यों को बाँटती है, वहाँ सृजन उन्हें जोड़ता है; और जहाँ युद्ध जीवन को उजाड़ते हैं, वहाँ कला जीवन को फिर से सुंदर बनाने का स्वप्न देती है। आज विश्व को केवल शक्तिशाली सेनाओं, समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं और आधुनिक तकनीकों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील कलाकार हृदयों की भी आवश्यकता है, जो शांति को जीवन का आदर्श बना सकें। कलाकार मानवता के ऐसे ही स्वप्नद्रष्टा और भविष्य के शिल्पी हैं। उनके सृजन को सम्मान देना वस्तुतः मनुष्यता के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान करना है। जब कला जीवन का उत्सव बनेगी, संवेदना सामाजिक संस्कार बनेगी और सह-अस्तित्व वैश्विक जीवन-दृष्टि बनेगी, तभी पृथ्वी युद्धों की आशंकाओं से मुक्त होकर शांति, मैत्री, अहिंसा और सौंदर्य की साझा धरती बन सकेगी। (लेखक, पत्रकार, संभंकार)

नलकूप ने बढ़ाई मुश्किल, पांच दिन से पानी के लिए भटक रहे लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी बीत गई, मौसम में ठंडक भी बढ़ने लगी, लेकिन पदमपुर के लोगों की पानी की समस्या दूर नहीं हुई। यहां नलकूप की खराबी के चलते क्षेत्र में पेयजल संकट बना हुआ है। पांच दिन से परेशान लोग पानी की व्यवस्था करने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। जल संस्थान की ओर से टैंकर भेजकर आपूर्ति की जा रही है, लेकिन यह व्यवस्था भी लोगों की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

पदमपुर क्षेत्र में लगे नलकूप से सैकड़ों परिवारों को पानी मिलता है। नलकूप खराब होने से घरों में नियमित जलापूर्ति प्रभावित हो रही है। लोगों को रोजमर्रा के कामकाज के लिए पानी जुटाने में परेशानी उत्पनी पड़ रही है। सबसे अधिक दिक्कत उन बुजुर्गों को हो रही है, जो घरों में अकेले रहते हैं और खुद पानी की व्यवस्था करने में असमर्थ हैं। स्थानीय निवासी दीपक बिंजोला, दुर्गेश मैदोला और गोली बिष्ट का कहना है



पानी के इंतजार में सूख नल

कि गर्मियों में नलकूप खराब होने पर विभाग अधिक लाउंड का हवाला देता था। अब मौसम बदल चुका है और पानी की खपत भी पहले के मुकाबले कम है, फिर भी नलकूप की समस्या बनी हुई है। क्षेत्रवासियों के अनुसार, गर्मियों में भी नलकूप की मोटर खराब हो गई थी। आरोप है कि विभाग ने नई मोटर लगाने

के बजाय पुरानी मोटर की मरम्मत कर उसे दोबारा फिट कर दिया। करीब दो महीने बाद मोटर फिर खराब हो गई, जिससे क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई। लोगों का कहना है कि यदि उस समय मोटर को बदल दिया जाता तो शायद उन्हें दोबारा इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। पेयजल संकट की शिकायत मिलने के बाद जल संस्थान प्रभावित क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचा रहा है। इसके बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। हालात यह हैं कि लोगों को घरेलू जरूरतें पूरी करने के लिए बाजार से पानी खरीदना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने जल संस्थान से नलकूप की खराबी दूर कर नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि अस्थायी व्यवस्था के बजाय समस्या का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को बार-बार पानी के संकट से न जूझना पड़े।

मैराथन दौड़ में अनुज ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा चौबट्टाखात के अंतर्गत गेटकुंड में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की ओर से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। मैराथन में अनुज ने प्रथम स्थान हासिल कर बाजी मारी, जबकि दीपांशु चौहान दूसरे और हिमांशु तीसरे स्थान पर रहे।भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री पंकज डोबरियाल और मंडल अध्यक्ष राजेश्वर प्रसाद जोशी के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता से पूर्व विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों और अन्य सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। युवाओं को नशे से दूर रहकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए और देश की तरक्की में अपना योगदान देना चाहिए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नन्द धनराशि देकर सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश देना रहा। इस अवसर पर युवा मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, बिहार भागने की फिराक में था



पुलिस की हिरासत में छेड़छाड़ का आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुरी क्षेत्र में नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित क्षेत्र में रहकर रंगई-पुताई का काम करता था। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद वह बिहार भागने की तैयारी में था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

थाना प्रभारी सतपुरी अनिल चौहान ने बताया कि मामले में एक दिन पहले पीठिया के स्वजन की ओर से तहरीर दी गई थी। शिकायत के अनुसार,

किशोरी घर के पास स्थित एक दुकान में सामान खरीदने गई थी। इसी दौरान वहां रंगई-पुताई का काम करने वाले व्यक्ति ने उसके साथ छेड़छाड़ की। घटना के बाद किशोरी रोते हुए घर पहुंची और स्वजन को पूरी बात बताई। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने

जांच शुरू की। शनिवार सुबह पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित आसगर पुत्र ताहिर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित मूल रूप से बिहार के किशनगंज जिले के कन्हायावाड़ी का निवासी है और सतपुरी पुलिस में रहकर रंगई-पुताई का काम करता था। क्षेत्र के अनुसार, घटना के बाद आरोपी बिहार भागने की फिराक में था। हालांकि, पुलिस ने समय रहते उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

महिला मंगल दल में मासौं, युवक मंगल दल में नाद मल्ला ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव शुरू हो गया है। महोत्सव में जनपद के पन्द्रह ब्लॉकों के युवा लोक संस्कृति, कला और रचनात्मकता से जुड़ी सात विधाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। महिला मंगल दलों में पौड़ी ब्लॉक के मासौं दल ने पहला, न्वारी दल थलीसैंश ने दूसरा और ताखला दल यमकेश्वर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। युवक मंगल दलों में यमकेश्वर ब्लॉक का नाद मल्ला दल प्रथम, बड़गांव मल्ला दल पौड़ी द्वितीय और बिष्णायी दल यमकेश्वर तृतीय स्थान पर रहा। जिला मुख्यालय स्थित संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह हॉल में राज्य युवा कल्याण सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष विनोद सुयाल, जिपं अध्यक्ष रचना बुटोला, ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी व जिपं

सदस्य अनुज कुमार ने संयुक्त रूप से महोत्सव का उद्घाटन किया। विनोद सुयाल ने कहा कि युवा महोत्सव जैसे आयोजन क्षेत्र की पहचान और युवाओं को बेहतर मंच दिलाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने का आह्वान किया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य कर रहे महिला मंगल दलों व युवक मंगल दलों को विवेकानंद यूथ अवार्ड से सम्मानित भी किया। आयोजक जिला युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी ने महोत्सव के नियमों व उद्देश्यों की जानकारीयां दीं। इस मौके पर कनिष्ठ प्रमुख नीरज पटववाल, अनिरुद्ध सिंह बिष्ट, केसर सिंह असवाल, ओमपाल बिष्ट, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत आदि मौजूद रहे।

पुरोला-पोरा मोटर मार्ग जगह—जगह हुए बदहाल

पुरोला। रामा सिराई और कमल सिराई पट्टी के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला पुरोलाझपोरा मोटर मार्ग बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह—जगह गहरे गड्ढे बने हैं जबकि कई स्थानों पर सुझा दीवारें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बरसात के बाद मार्ग की स्थिति और खराब होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

सड़क की खराब स्थिति से सुरक्षित आवागमन को लेकर चिंता बनी है। पुरोला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह नेगी ने सड़क की बदहाली को लेकर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गड़बुक्त और सुगम सड़कों के दावे कर रही है लेकिन पुरोलाझपोरा मोटर मार्ग की स्थिति इन दावों से अलग है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण सड़क की लंबे समय से अनदेखी की जा रही है।

न्याय यात्रा के जरिए कांग्रेस ने उठाई अंकिता को इंसाफ दिलाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर कांग्रेस की न्याय यात्रा शुक्रवार को कोटद्वार पहुंची। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अंकिता हत्याकांड में एक वीआईपी के नाम का भी जिक्र है, लेकिन भाजपा का पूरा तंत्र उसे बचाने में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि पहाड़ की बेटों अंकिता को अब तक पूर्ण न्याय नहीं मिल पाया है। जब तक अंकिता को न्याय नहीं मिलता, कांग्रेस सड़क से सदन तक अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

शुक्रवार को कांग्रेस की ओर से निकाली गई न्याय यात्रा सतपुरी और दुमड़ा होते हुए कोटद्वार पहुंची। बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह के समीप कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष गणेश



कोटद्वार में न्याय यात्रा निकालते कांग्रेसी

गोदियाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का स्वागत किया। इसके बाद न्याय यात्रा शहर के लिए रवाना हुई। न्याय यात्रा में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ता अंकिता को न्याय दिलाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े।

बदरीनाथ मार्ग से शुरू हुई यात्रा झंडाचौक, नजीबाबाद रोड और बालासौड़ होते हुए घराट क्षेत्र में संपन्न हुई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर जनहितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता के हितों की रक्षा का वादा कर सत्ता में

बदरीनाथ विशाल के दरबार से उठी न्याय की आवाज पूरे गढ़वाल, कुमाऊं और तराई क्षेत्र तक पहुंचेगी। न्याय, जन अधिकारों और उत्तराखंड की अस्मिता की रक्षा लड़ाई में कांग्रेस ने प्रदेश की जनता से सहयोग की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

बस्तियों का रख कर रहे वन्यजीव

नौगांव (उत्तरकाशी)। वन्यजीवों की आबादी वाले क्षेत्रों में सख्खिता बढ़ रही है। अपर यमुना वन प्रभाग में इस वर्ष मानव-वन्यजीव संघर्ष की चार घटनाएं सामने आई हैं। इनमें एक घटना भालू और तीन घटनाएं जंगली सुअर से संबंधित हैं। उप प्रभागिया वनाधिकारी, अपर यमुना वन प्रभाग साधु लाल पलियाल ने बताया कि जंगलों में प्राकृतिक भोजन की कमी और बस्तियों के आसपास आसानी से उपलब्ध खाद्य सामग्री वन्यजीवों को आकर्षित करती है। एक बार आबादी के आसपास भोजन मिलने पर जंगली जानवर बार-बार उसी क्षेत्र में आने लगते हैं और वहां ठहरने लगते हैं। इससे ग्रामीणों और वन्यजीवों के बीच आमना-सामना बढ़ता है जो संघर्ष की घटनाओं का कारण बन सकता है।

दांगुड़ गांव के पास बिछाते ही उखड़ा डामर



बड़कोट। रानाचट्टी से दांगुड़ गांव, पिंडकी, मादेश और निसणी को जोड़ने वाले पीएमजीएसवाई के तहत निर्माणाधीन मोटर मार्ग पर डामरकरण की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। दांगुड़ गांव के पास सड़क पर बिछाया जा रहा डामर उखड़ने पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। ग्रामीणों और वन्यजीवों की जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है। डामरीकरण के दौरान ही डामर उखड़ने से कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने विभाग से मौके पर जांच कर-कर सड़क का निर्माण मानकों के अनुरूप करने की मांग की है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष रावत, कुलदीप रावत, मुकेश रावत, गिरीश रावत सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भालू ने गोशाला की छत की क्षतिग्रस्त, शहद के बॉक्स तोड़े

नौगांव (उत्तरकाशी)। कफनौल क्षेत्र में भालू की लगातार बढ़ती सख्खिता से ग्रामीणों में दहशत है। भालू ने गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर जाईया तोक में शैलेन्द्र चौहान की गोशाला की छत तोड़कर अंदर रखे मधुमक्खी पालन के बॉक्स क्षतिग्रस्त कर दिए। घटना का पता सुबह चला जब शैलेन्द्र चौहान मवेशियों को घास देने गोशाला पहुंचे। बताया गया कि भालू बाहर निकलते समय दरवाजा भी तोड़ गया। वहीं, खसोरी फल पट्टी में भी भालू ने एक अन्य गोशाला में घुसने का प्रयास किया। करीब एक सप्ताह पहले कफनौल गांव में भालू ने रणवीर सिंह पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। वन क्षेत्राधिकारी विवेक चौहान ने बताया कि गश्ती दल क्षेत्र में मुस्तैद है और निगरानी बढ़ाई गई है।

विश्व पोलियों दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

लोगों से 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने की अपील की

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटीय क्लब कोटद्वार के तत्वावधान में विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर पोलियो जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों से 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने की अपील की गई। रैली मालवीय उद्यान से प्रारंभ होकर झंडाचौक, स्टेशन रोड, उमानन्द बड़थ्वाल मार्ग, तीलू रैतेला चौक, नजीबाबाद रोड , पटेल मार्ग, गैरज रोड होते हुए वापस मालवीय उद्यान में समाप्त हुई। मालवीय उद्यान से रैली का शुभारंभ नगर निगम के महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत व मुख् चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय सिंह ने किया। इस अवसर पर शैलेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि पोलियो एक ऐसी खतरनाक बीमारी है जो बच्चों को दिव्यांग बना देती है। इससे बचने के लिए पोलियो खुराक पिलानी आवश्यक है। हमें इसके लिए लोगों को जागरूक करना



चाहिए। रोटीय क्लब अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने कहा कि रोटी ने सन् 1985 से पूरे विश्व से पोलियो उन्मुलन का जो बीड़ा उठाया था, उससे हमारा देश विजय सिंह ने किया। इस अवसर पर शैलेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि पोलियो एक ऐसी खतरनाक बीमारी है जो बच्चों को दिव्यांग बना देती है। इससे बचने के लिए पोलियो खुराक पिलानी आवश्यक है। हमें इसके लिए लोगों को जागरूक करना

बुजुर्ग महिला के कान से कुंडल झपटने वाला आरोपी गिरफ्तार

इण्टर कालेज, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, रिंतेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर, जे पी इंटर कॉलेज, बाल शिक्षा निकेतन व इन्स्ट्रुक्ट क्लब के लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने पल्स पोलियो उन्मुलन एवं बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के महत्व से संबंधित नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। रैली के दौरान रोटीय क्लब के सभी सदस्यों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और जन-जागरूकता के इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता, सचिव विना रावत, कार्यक्रम संयोजक गोपाल चन्द्र बंसल, उपाध्यक्ष विजय कुमार, डीपी सिंह, उषा अग्रवाल, विपिन वक्शी, विजय कुमार अग्रवाल, कमल गुप्ता, कुलदीप अग्रवाल, गुरुबचन सिंह, नरेश अग्रवाल, रेनु अग्रवाल, प्रवीण गोयल, अवधेश अग्रवाल, वन्दना कण्डारी, अल्का सोनी, विजय लक्ष्मी, सविता खरकवाल आदि मौजूद थे।

सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान, सोने के कुंडल और वारदात में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बालासौड़ क्षेत्र में बुजुर्ग महिला के कान से सोने के कुंडल झपटकर फरार हुए आरोपित को कोटद्वार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से झपटे गए कुंडल और वारदात में प्रयुक्त मोटर साइकिल भी बरामद की है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपित की पहचान की गई।

पुलिस के अनुसार, राजेंद्र सिंह निवासी कोटद्वार ने मामले में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि तीन दिन पूर्व उनकी सास बालासौड़ क्षेत्र में घूम रही थीं। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे मोटर साइकिल सवार युवक ने उनके



कोटद्वार पुलिस की हिरासत में कुंडल झपटमारी का आरोपित।

कानों से कुंडल झपट लिए और मौके से फरार हो गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। घटना

स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद आरोपित की पहचान की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित अंकित गिरी पुत्र मलखान गिरी, निवासी हरिपुरम कुकड़ा, जनपद मुक्तनगर, उत्तर प्रदेश को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने

उसके कब्जे से बुजुर्ग महिला से झपटे गए सोने के कुंडल बरामद किए हैं। साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल भी बरामद कर ली गई है।

सॉफ्ट बॉल थो में सुजल, मनोरंजक खेल में अमित ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बालक-बालिकाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। सॉफ्ट बॉल थो में सुजल जीआईसी उज्जाड़ी प्रथम, कपिल डीएवी इंटर कालेज द्वितीय और अमित जीआईसी तृतीय रहे। मनोरंजक खेल में अमित प्रथम, अशोक द्वितीय और कपिल तृतीय रहे।

मुख्यालय स्थित रांसी स्टेडियम में शनिवार को प्रतियोगिता की शुरूआत 400 मी. रिले दौड़ के विभिन्न आयु वर्गों में हुई। जिसमें सुजल और मोहित जीआईसी उज्जाड़ी, रोहित एसवीएम और अशोक डीएवी इंटर कालेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि अमित जीआईसी उज्जाड़ी, कपिल डीएवी इंटर कालेज, ऋषभ इंका परसुंडाखाल और अनन राउमावि बाड़ा ने दूसरा स्थान हासिल किया। चम्पक दौड़ में आंचल पिसोरी स्कूल ने पहला और सौम्या जोशी डीएवी इंटर कालेज ने दूसरा स्थान पाया। ग्युब्योरे उछालने की प्रतियोगिता में आंचल ने पहला और सौम्या जोशी ने दूसरा स्थान पाया। रस्सा-कस्सी में सुजल, ऋषभ, अमित और अशोक की टीम विजेता और मोहित, कपिल, महेश और सौम्या की टीम ने उपविजेता रही। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन कनिष्ठ प्रमुख नीरज पटवाल ने किया।

सतपुली पहुंची कांग्रेस की उत्तराखंड न्याय यात्रा, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने और जनविरोधी नीतियों के विरोध में निकाली पदयात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : कांग्रेस की उत्तराखंड न्याय यात्रा शनिवार को चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के सतपुली पहुंची। यहां सतपुली मोटर पुल के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल का भव्य स्वागत किया। इसके बाद गोदियाल के नेतृत्व में नगर में पदयात्रा निकालकर भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों, भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर न्याय यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता के अधिकारों, न्याय और उत्तराखंड की अस्मिता की लड़ाई को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।



उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनविरोधी और संस्कृति विरोधी सरकार को सता से उखाड़ने का संकल्प लिया है। गोदियाल ने न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए नगर कांग्रेस सतपुली और चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का आभार जताया। पदयात्रा में बदरीनाथ विधायक लखपत सिंह बुटेला, प्रतापनगर विधायक

विक्रम सिंह नेगी, जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप, डॉ. प्रेम बहुखंडी, प्रदेश सचिव कवींद्र इष्टवाल, राजेश कंडारी, सुरेंद्र रावत, पूर्व सैनिक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सेवानिवृत्त कर्नल राम रतन सिंह नेगी, नरेंद्र नेगी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष संजय रावत, कांग्रेस नेत्री पूनम केल्पूरा, अरुणा कुमार आदि मौजूद थे।

डुंग्री की नैणी देवी देवरा यात्रा से पूर्व नारायण धाम भंगोटा पहुंची



नारायणबगड़। जेटुलाबार डुंग्री की नैणी देवी (नागिन माता) अपनी देवरा यात्रा पर जाने से पहले शनिवार को नारायण धाम भंगोटा और नंदाधाम भारकोटबार पहुंची। गांव की महिलाओं ने मांगल गीत गाकर, अक्षत व पुष्प बरसाकर देवी की आगवानी

की।शनिवार सुबह नैणी देवी बाजे-गाजों के साथ भूम्याल देवता की अगुवाई में जेटुलाबार डुंग्री से भंगोटा गांव के लिए रवाना हुईं। आलियूं गांव होते हुए तीन किलोमीटर की यात्रा कर वे नारायण मंदिर पहुंची। यहां देव पक्षाओं ने अवतरित होकर नैणी देवी से भेंट की और वचन दिए। नारायण धाम भंगोटा में विश्राम के बाद नैणी देवी पय्यां न्योतने गांव के नारायण स्थान पर गईं।भारकोटबार में दोनों देवियों का भावपूर्ण मिलन हुआ। नैणी देवी अपने ब्रह्मगुरु के सानिध्य में एक बार फिर भंगोटा गांव के नारायण धाम मंदिर में विराजमान हुईं। इसके बाद जेटुलाबार डुंग्री से आए देवी भक्तों के लिए ग्रामीणों ने भोज दिया। देशराम देवी भंगोटा गांव से अपने धाम डुंग्री के लिए रवाना हुईं। इस अवसर पर ब्रह्मगुरु हरिवल्लभ सती, देवरा यात्रा के अध्यक्ष अनिल उनीयाल और पुजारी प्रकाश सती समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

इंटर स्कूल प्रतियोगिता में ज्योति विद्यालय रहा विजेता

ज्योतिमंठ। आईबैक्स प्री-प्राइमरी स्कूल की ओर से शनिवार को आयोजित इंटर स्कूल प्रतियोगिता में ज्योति विद्यालय विजेता और सस्वती विद्या मंदिर उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में पांच विद्यालयों के 60 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।आईबैक्स प्री-प्राइमरी स्कूल के हॉल में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिप्टी कमांडेंट कर्नल रविनगर चौहान और विशेष अतिथि वन प्रभागीय अधिकारी रजत सुमन ने किया। इस दौरान अंग्रेजी कविता में अमायरा डोगरा प्रथम, भार्गवी भंडारी द्वितीय और संगत तृतीय रहे। कला में आदव प्रथम, अभिनव द्वितीय और ज्योति विद्यालय के शिवाय तृतीय रहे। निबंध में दीप्ति प्रथम, ऋषभ द्वितीय और मनन तृतीय रहे।

पम्मी नवल के जागरो पर जमकर थिरके लोग

पोखरी (चमोली)। हिमवंत कवि चंद्रकुंवर बत्वाल खादी ग्रामोद्योग एवं शरदोत्सव मेले की तीसरी सांस्कृतिक संध्या लोक जागर गायिका पम्मी नवल के नाम रही। उन्होंने जागरो और लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि हमाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के गजपाल सिंह हमाल और विशिष्ट अतिथि जीआईसी चौड़ी के प्रधानाचार्य मनवर सिंह बत्वाल ने किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी ने अतिथियों और लोक गायिका पम्मी नवल को स्मृति चिह्न भेंट किए। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सोहन लाल, सभासद गिरीश किमोटी, सतेंद्र बुटेला, डॉ. बुजेंद्र कठैत, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उम्रेंद्र सती और संतोष चौधरी आदि मौजूद रहे। संचालन टीपी सती ने किया।

जीआईसी आली और टैगोर विद्यालय रहे अत्वल

पोखरी। शरदोत्सव मेले के तहत शनिवार को आयोजित सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने लोकगीतों की प्रस्तुतियां दीं। सोनियर वर्ग की लोकगीत प्रतियोगिता में जीआईसी आली प्रथम स्थान पर रहा। टैगोर इंस्टीमिएट कॉलेज पोखरी और जीआईसी थालाबैंड संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि एवीएम इंटर कॉलेज पोखरी और जीजीआईसी तृतीय स्थान पर रहे। किज में टैगोर इंस्टीमिएट कॉलेज ने प्रथम, जीआईसी नागनाथ ने द्वितीय और जीआईसी उडामांडा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

औषधि भंडार से छह नमूने जांच के लिए भेजे

गोपेश्वर। औषधि निरीक्षक हार्दिक भट्ट ने शनिवार को औषधि भंडार गोपेश्वर का निरीक्षण किया। उन्होंने छह दवाओं के सैंपल एकत्र किए जिन्हें जांच के लिए राजकीय विश्लेषणशाला देहरादून भेजा जाएगा। उन्होंने दवाओं के भंडारण, रख-रखाव व निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही वितरण व भंडार से संबंधित अभिलेखों की भी जांच की। छह दवाओं के सैंपल लिए। कहा कि इनकी जांच रिपोर्ट के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य आम लोगों को गुणवत्तापरक व सुरक्षित दवा उपलब्ध कराना है। इस दौरान मुख्य फार्मसी अधिकारी रमेश नेगी सहित अन्य मौजूद रहे।

सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए गोष्ठी आयोजित

उत्तरकाशी। ग्राम पंचायत ऐरोली में किसान खेत बचाओ अभियान के तहत गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें कृषि, उद्यान और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विभाग के सहायक कृषि अधिकारी रूई से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा और किसान त्रेंडेट कार्ड (केसीसी) जैसी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उद्यान पर्यवेक्षक संसेंद्र नेगी ने पॉलीहाउस, वर्मी कम्पोस्ट, मशरूम उत्पादन, कीवी, सेब की खेती और मधुमक्खी पालन की संभावनाओं पर जानकारी दी।

नौबालिग को भगाने वाला युवक गिरफ्तार

नंदानगर। तहसील क्षेत्र के एक गांव से लापता हुई नौबालिग की पुलिस ने पिथौरागढ़ से बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में आरोपी 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, 22 अक्तूबर को नौबालिग के परिजनों ने नंदानगर थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी 19 अक्तूबर की रात बिना बताए घर से चली गई है। काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चल पाया। इस पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर नौबालिग की तलाश शुरू की। प्रभारी निरीक्षक ने तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की। जांच के बाद पुलिस टीम ने पिथौरागढ़ जिले के गुड़िया गांव निवासी प्रेम प्रकाश कुमार (19) को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया और नौबालिग को बरामद कर लिया। थानाध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि चिकित्सकीय जांच और विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले में पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

छात्र-छात्राओं को एचआईवी से बचाव के प्रति किया जागरूक

गोपेश्वर। स्वास्थ्य विभाग चमोली की ओर से राईका न्वाड और राईका बैरागना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं को एचआईवी-एड्स के संक्रमण, बचाव और जांच के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान बीमारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के साथ ही संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव न करने की अपील की गई। स्वास्थ्य सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रबंधक उदय सिंह रावत ने एचआईवी-एड्स के प्रति सही जानकारी और सुरक्षित व्यवहार अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में राईका बैरागना के प्रधानाचार्य आरएस फरस्वान, प्रधानाचार्य मालती चौहान, एसके डौंडियाल, राजकिशोर रावत, आरती और विनीता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बदरीनाथ हाईवे का जीरो बैंड बना यात्रियों की परेशानी का सबब

गोपेश्वर। बदरीनाथ धाम की यात्रा के दौरान ज्योतिमंठ का जीरो बैंड तीर्थयात्रियों के लिए परेशानी का सबब बना रहा। बदरीनाथ हाईवे के अधिकांश हिस्से को ऑलवेयर रोड परियोजना के तहत डबल लेन में तब्दील कर दिया गया है लेकिन ज्योतिमंठ के पेट्रोल पंप से मारवाड़ी तक करीब 10 किमी हिस्से में अब भी सिंगल लेन सड़क होने से जाम की स्थिति बनी हुई है। इन दिनों यात्रा के दूसरे चरण में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से परेशानी और बढ़ गई है। सबसे अधिक दिक्कत जीरो बैंड पर हो रही है। यहां सड़क संकरी होने के साथ ही तीखे मोड़ भी हैं। ऐसे में यात्रा वाहन अक्सर फंस रहे हैं और लंबा जाम लग रहा है। शाम के समय बदरीनाथ जाने वाले वाहनों की संख्या बढ़ने से श्रद्धालुओं को काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है। हाईवे पर जगह-जगह पथर पड़े होने और सड़क उबड़-खाबड़ होने से भी यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। दिल्ली से आए श्रद्धालु अंकुर शर्मा, मानस और सुशील कुमार ने बताया कि ज्योतिमंठ से मारवाड़ी तक पहुंचने में ही एक घंटे का समय लग रहा है। सड़क की स्थिति खराब



होने से सफर मुश्किल हो रहा है। उन्होंने हाईवे की स्थिति सुधारने की मांग की। वहीं, बदरीनाथ धाम के दर्शन कर लौट रही शकुंतला भारद्वाज ने कहा कि लाखों श्रद्धालु

आस्था के साथ दूर-दूर से धाम पहुंचते हैं। ऐसे में यात्रा मार्ग को व्यवस्थित रखना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि वह भी करीब एक घंटे तक जाम में फंसी रही।

टोट चोरी के खिलाफ गांव-गांव चौपाल लगाएगी कांग्रेस

उत्तरकाशी। कथित टोट चोरी और मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के मुद्दे पर कांग्रेस अब गांव-गांव चौपाल लगाकर बूथ स्तर तक अभियान चलाएगी। पार्टी कार्यकर्ता मतदाता सूचियों की जांच कर पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने और नामों में विसंगतियां दूर कराने के लिए प्रयास करेंगे। शनिवार को उत्तरकाशी पहुंचे हरियाणा युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमित सिहाग ने कहा कि वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को तेजी दी जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विश्वनाथ मंदिर से न्याय यात्रा निकाली। यात्रा के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अमित सिहाग ने मतदाता सूची की पारदर्शिता



और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा जरूरी है। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष घनानंद नौटियाल, मनीष राणा, कमल सिंह रावत, कनकपाल सिंह परमार आदि भी मौजूद रहे।

श्री कुंजापुरी पर्यटन मेले के पुरस्कार वितरण पर उठे सवाल

नरेंद्रनगर (टिहरी)। सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले की स्वर्ण जयंती पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पुरस्कार वितरण पर सवाल उठाए गए हैं। मेले में लकी झा के इनाम वितरण में पक्षपात करने का आरोप लगाया गया है। श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेला संपन्न होने के बाद कलाकारों, प्रतिभागी छात्र-छात्राओं और लकी झा के पुरस्कार वितरण में पक्षपात करने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है, यदि पुरस्कार वितरण के लिए लांटी प्रक्रिया अपनाई गई थी, तो उसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता सबके सामने होनी चाहिए थी। कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सूरत सिंह आर्य, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेंद्र नगर, राजेंद्र सिंह गुसाई, दिनेश कुमार और मनवीर नेगी आदि ने कहा कि पुरस्कारों का लालच देकर हजारों रुपये के टिकट

बिकवाए गए। लेकिन लांटी प्रणाली में जब बड़े पुरस्कारों के नंबर निकाले गए तो उसमें नियमों को ताक पर रखा गया। उनका कहना है, कि जब एक से 25 तक के पुरस्कार विजेताओं के नाम और त्मांक स्पष्ट किए जा रहे थे, तो बड़े पुरस्कारों के मामले में भी यह पारदर्शिता क्यों नहीं अपनाई गई। उन्होंने कहा कि कुंजापुरी पर्यटन विकास मेला मनोरंजन का आयोजन ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण उत्सव है। पुरस्कार वितरण पूरी तरह निष्पक्ष हुआ है, तो आयोजकों को संबंधित रिक्तों सार्वजनिक कर जनता का संदेह दूर करना चाहिए। इस बाबत मेला समिति के अध्यक्ष व पालिकाध्यक्ष राजेंद्र विरम सिंह पंवार ने कहा कि आरोप राजनीति से प्रेरित है, पुरस्कार वितरण में पालिका सभासद भी शामिल रहे।

आइटीबीपी जवानों ने 65वें स्थापना दिवस पर शानदार परेड की



गौचर। आइटीबीपी का 65 वां स्थापना दिवस यहां आठवीं वाहिनी में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर वाहिनी के जवानों ने हथौल्हस और पूरे जज्बे के साथ शानदार परेड का प्रदर्शन किया। वाहिनी के कमांडेंट मनोहर सिंह रावत ने कहा कि वर्ष 1962 में भारत चीन युद्ध के बाद देश की सीमाओं की रक्षा और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए आइटीबीपी

पैरामिलिट्री फोर्स का गठन हुआ। जो आज तक सीमाओं की सुरक्षा में तत्पर है। उन्होंने सीमाओं की सुरक्षा और तत्परता के लिए पूरे मनोबल से तैनात रहने के लिए जवानों और अधीनस्थ अधिकारियों को धन्यवाद दिया। समारोह में वाहिनी के अधिकारियों, परिवार जनों, बच्चों सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने भगवान बद्री विशाल के किए दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : राज्यपाल उत्तराखण्ड डॉ. ढाल सिंह बिसेन शनिवार को श्री बदरीनाथ धाम पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान बद्री विशाल के दर्शन कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। राज्यपाल ने भगवान बद्री विशाल से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति, उन्नति एवं जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने श्रद्धालुओं से देवभूमि उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक विरासत एवं विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि देवभूमि की संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित एवं देशहित में सकारात्मक भूमिका निभाते हुए सामाजिक सद्भाव, आपसी सहयोग और जनकल्याण की भावना को भजबूत करना चाहिए। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से धार्मिक स्थलों



की मर्यादा का पालन करने, प्रदेश को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने, उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने के का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल

की धर्मपत्नी भानुमति बिसेन, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, एडीसी जितेंद्र चौधरी उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडेय, अलकेश नौडियाल आदि उपस्थित रहे।

देहरादून पदयात्रा के बाद अब भराड़ीसैण में मानव श्रृंखला

कर्णप्रयाग। भराड़ीसैण में आयोजित होने वाली विधानसभा सत्र के पहले दिन बेस अस्पताल संघर्ष समिति सिमली से भराड़ीसैण तक मानव श्रृंखला बनाएगी। साथ ही अन्य लोग हाथों में तख्तायां लेकर सरकार को बेस अस्पताल का जीओ जारी करने के लिए मजबूर करेगी। समिति के सदस्यों का कहना है कि जब तक जीओ जारी नहीं हो जाता। उनका संघर्ष जारी रहेगा। इसके लिए शुक्रवार से सिमली में अनिश्चितकालीन धरना शुरू हो गया है। बेस अस्पताल सिमली का जीओ जारी करने को लेकर बेस संघर्ष समिति लगातार आंदोलित है। पूर्व में समिति की ओर से सिमली से देहरादून की लगभग 250 किमी की पद यात्रा पूर्ण की गई थी। देहरादून में

पहुंचने पर पुलिस ने पदयात्रा में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद सदस्यों ने देहरादून में ही धरना शुरू कर दिया। तीन दिन तक धरना देने के बाद सीएम और प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें वापसी के लिए बुलाया लेकिन समिति को सकारात्मक आश्वासन नहीं मिल पाया।समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि सिमली में बेस अस्पताल को बोर्ड लगा चुका है। लेकिन उसके दो माह बाद भी अभी तक जीओ जारी नहीं किया गया है। ऐसे में सत्र के दौरान सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर तहसीलदार के माध्यम से उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देकर धरना कार्यक्रम की सूचना दी गई।

लखवाड़ बांध परियोजना से हटाए गए कर्मियों का धरना जारी

नैनबाग (टिहरी)। यमुना नदी पर निर्माणाधीन 300 मेगावाट लखवाड़ बांध परियोजना की एलएनटी कंपनी से हटाए गए कर्मियों को बहाल करने की मांग को लेकर कार्रमारियों का धरना 10वें दिन भी जारी रहा। उन्होंने कंपनी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि जब तक हटाए गए सभी कर्मचारियों को नौकरी पर बहाल नहीं किया जाता है, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। कंपनी प्रबंधन इसी तरह लापरवाह बना रहा तो आंदोलन तेज किया जाएगा। परियोजना स्थल पर संविदा श्रमिक संघ के बैनरतले धरने पर बैठे कंपनी से हटाए गए कर्मचारियों ने कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतें पूरा करने के लिए सरकार बांध बना रही है, लेकिन परियोजना प्रभावितों को रोजगार से वंचित कर उन्हें उनके हाल पर छोड़ने का कार्य किया जा रहा है। भाजपा युवा मोर्चा जौनपुर के अध्यक्ष राजेश सजवाण ने श्रमिकों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि श्रमिकों को अपनी जायज मांगों के लिए धरना देना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है, कि



श्रमिकों को शीघ्र बहाल करने के निर्देश जारी करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि श्रमिकों की मांगें जल्द नहीं मानी जाती है, तो उन्हें उग्र आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा।

परियोजना प्रभावितों ने कहा कि हमारे खेत, खलियान, घर, जंगल और व्यवसाय परियोजना की भेंट चढ़ गया है। कंपनी उनके साथ छत्तावा कर रोजगार भी नहीं दे रही है।

छात्र—छात्राओं को चिकित्सा सेवा में कॅरिअर बनाने की जानकारी दी

नई टिहरी। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज पौखाल में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य सर्वर्धन के लिए कॅरियर गाइडेंस शिविर लगाया गया जिसमें कक्षा 11 और 12वीं के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा और बेहतर कॅरियर बनाने के लिए उचित प्लेटफार्म की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कॅरियर गाइडेंस शिविर में मुख्य वक्ता चिकित्साधिकारी डॉ. धीरेंद्र सिंह कैतुरा ने छात्रों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा में कॅरिअर के कई विकल्प हैं। अनुशासित जीवनशैली अपनाते हुए हमेशा लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने वाले निश्चित ही सफलता अर्जित करते हैं। नवोदय विद्यालय पौखाल के वरिष्ठ कार्डसलर नीरज शर्मा ने छात्रों को उनकी रुचि, क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार सही विषय व कॅरिअर चुनने की बारीकियां समझाईं। प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह राणा ने कहा कि छात्रों को कितानी ज्ञान के साथ ही व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है। इस मौके पर कार्यक्रम के नोडल देशराज बिष्ट, अजय पाल राणा ,कमलेश्वर नौटियाल, दिनेश प्रसाद भट्ट, विपिन भट्ट, संदीप चौधरी, सुमन बिष्ट, लक्ष्मी पंवार और रेखा आदि मौजूद थे।

लाइव रिपोर्टिंग के दौरान समुद्री लहर की चपेट में आया पत्रकार, कैमरावुमन सहित गिरा

स्पेन,एजेंसी। लाइव रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों को कई बार अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही मामला स्पेन के बास्क क्षेत्र के ओन्डारोआ शहर से सामने आया है, जहां समुद्र की ऊंची लहर ने लाइव रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार और उनकी कैमरावुमन को अपनी चपेट में ले लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, पत्रकार सर्जियो ओवेखेरो टीवी कार्यक्रम के लिए समुद्र के किनारे से लाइव रिपोर्टिंग कर रहे थे। वह दर्शकों को समुद्र में उतर रही ऊंची लहरों और उनसे होने वाले खतर के बारे में बता रहे थे। इसी दौरान अचानक एक शक्तिशाली लहर समुद्र किनारे बनी सुरक्षा दीवार को पार करते हुए उनके पास पहुंच गई। पानी का बहाव इतना तेज था कि सर्जियो और उनके साथ मौजूद कैमरावुमन राकेल अपना संतुलन नहीं संभाल सके और गिर पड़े। इस अप्रत्याशित घटना के कारण कुछ समय के लिए टीवी प्रसारण का सिग्नल भी बाधित हो गया। स्टूडियो में मौजूद एंकर ओदेई एस्पनाओला अपने सहयोगियों को अचानक मुसीबत में देखकर चिंतित हो गए। घटना के बाद संबंधित चैनल ने जानकारी दी कि पत्रकार सर्जियो और कैमरावुमन राकेल दोनों सुरक्षित हैं और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद यूजर्स ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। कई लोगों ने उनके सुरक्षित होने पर राहत व्यक्त की। इस घटना ने एक बार फिर खराब मौसम और समुद्र में उठती ऊंची लहरों के बीच रिपोर्टिंग करने के जोखिम को उजागर किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे हालात में समुद्र से सुरक्षित दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी है।

जॉर्डन में चर्च पर कातिलाना हमला : 7 की मौत, दर्जनों घायल

अम्मान,एजेंसी। जॉर्डन के दक्षिणी प्रांत कराक में शुक्रवार को उस समय दशहत् फैल गई जब एक ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में चल रहे अंतिम संस्कार के दौरान अज्ञात बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस दिल दहला देने वाले हमले में कम से कम 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 10 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह ख़ूनी वारदात राजधानी अम्मान से लगभग 145 किलोमीटर दूर हमूद कस्बे के एक चर्च में हुई, जहां शांतिपूर्वक प्रार्थना सभा चल रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हमला पूरी तरह सुनियोजित था। अचानक एक गाड़ी से दो संदिग्ध हमलावर नीचे उतरे और उन्होंने बिना कुछ कहे भीड़ पर फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शी खालिद बुरकान के मुताबिक अंतिम संस्कार में दर्जनों लोग शामिल थे। एक हमलावर के हाथ में एक –47 कलशस्त्रिकोव राइफल थी जबकि दूसरे के पास पिस्टल थी। दोनों हमलावरों ने कई मिनट तक लगातार गोलियां चलाई जिससे किसी की संभलने का मौका नहीं मिला। चारों तरफ गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें गुंजने लगीं। अचानक हुई इस फायरिंग से वहां भगदड़ मच गई और पूरा परिसर खून से लथपथ हो गया। हमला करने के बाद दोनों शूटर तेजी से मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही जॉर्डन के सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और हमलावरों की तलाश में व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। घायल लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जहां कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। इस वारदात के तुरंत बाद जॉर्डन सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद अल- मोमानी ने एक बयान जारी किया। मोमानी ने कहा, ‘सुरक्षा एजेंसियां कराक में हुई इस हिंसक गोलीबारी की घटना की गहन जांच कर रही हैं। फिलहाल किसी भी आतंकी या विद्रोही संगठन ने इस हमले की सीधी जिम्मेदारी नहीं ली है। पु्लिस और सेना के जवान हमलावरों का सुराग लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। अधिकारियों ने कहा है कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

मिशिगान में भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं पर राजनीतिक दलों की नजर

ट्रंप चुनावी रैली की तैयारी में

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में भारतीय-अमेरिकी मतदाता आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण हो गए हैं। राज्य में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बड़ी आबादी और कई सीटों पर कड़े मुकाबले के कारण डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने की कोशिश में जुट गई हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिव्वावर को पोर्ट ब्यूरोन के मेकमोरन लेस में चुनावी रैली को संबोधित करने वाले है। यह तीन दिनों में उनकी तीसरी रैली होगी। इससे पहले वह फ्लोरिडा और जॉर्जिया में कार्यक्रम कर चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एशियाई-अमेरिकी उम्मीदवारों और मतदाताओं का समर्थन करने वाले संगठन ‘एएपीआई विक्ट्री फंड’ ने 17 अक्टूबर को डेट्रोइट में कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन और गवर्नर पद की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोसलिन बेन्सन शामिल हुई थीं। संगठन की अध्यक्ष



लिन्ह गुयेन ने कहा कि एशियाई-अमेरिकी मतदाताओं और उम्मीदवारों को पर्याप्त राजनीतिक वित्तीय सहायता नहीं मिलने के कारण इस संगठन की स्थापना की गई थी। संगठन ने मिशिगन में अब्दुल एल-सय्यद, जोसलिन बेन्सन, लेफ्टनेंट गवर्नर गार्लिन गिलक्रिस्ट द्वितीय और भारतीय मूल के विधायक रंजीव पुरी का समर्थन किया है। एएपीआईडेटा के आंकड़ों के अनुसार, मिशिगन में करीब 1,38,644 भारतीय-अमेरिकी रहते हैं, जो राज्य का सबसे बड़ा एशियाई समुदाय हैं। भारतीय-अमेरिकी आबादी मुख्य रूप से

क्यूबा ने अमेरिका की बदलाव की अपील को टूथपेस्ट बेचने जैसा बताया

- ट्रंप ने ईरान के बाद क्यूबा पर ध्यान देने की कही

- बात तो रुबियो ने बदलाव का आह्वान किया

- हवाना ने कहा– अमेरिकी कदम को हताशा जाहिर कर रहे

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्यूबा को लेकर दिए गए बयान और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की अपील के बाद दोनों देशों के बीच जुबानी टकराव तेज हो गया है। रुबियो ने क्यूबा के लोगों से देश में बदलाव लाने का आह्वान किया, जबकि क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने अमेरिकी कदम पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है, जैसे अमेरिका टूथपेस्ट बेच रहा हो। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान से निपटने के बाद अमेरिका क्यूबा के मामले पर ध्यान देगा। उन्होंने संकेत दिया कि क्यूबा के साथ समझौते को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भेजा जा सकता है। इसके बाद ही रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, कि क्यूबा में सकारात्मक बदलाव चाहने वालों के लिए



यह सही समय है। उन्होंने भ्रष्टाचार, अधूरे वादों और कुछ लोगों को मिलने वाली विशेष सुविधाओं से निराश लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। अपनी पोस्ट में उन्होंने क्यूबा के लोगों से अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के साथ गुप्त साझेदारी के जरिए बदलाव लाने का भी आह्वान किया।

सीआईए ने स्पेनिश भाषा में जारी किया वीडियो

इस घटनाक्रम के बीच सीआईए ने सोशल मीडिया पर

हूतियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष में शामिल होने से तुर्की का इंकार : सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के बावजूद रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया रुख

-याशर गुलेर ने कहा—सैन्य सहायता का उद्देश्य प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करना होगा

अंकारा, एजेंसी। तुर्की ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी सैन्य संघर्ष में शामिल होने से इनकार किया है। तुर्की के रक्षा मंत्री याशर गुलेर ने कहा है कि उनका देश हूतियों के साथ किसी तरह के संघर्ष में उतरने पर विचार नहीं कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब तुर्की ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता किया है। एक साक्षात्कार के दौरान याशर गुलेर ने

कहा, हम हूतियों के साथ किसी भी तरह के संघर्ष में शामिल होने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब को तुर्की की ओर से दी जाने वाली संभावित सैन्य सहायता का मुख्य उद्देश्य उसकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होगा। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अगस्त में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते को मंजूरी के लिए तुर्की की संसद में पेश किया गया।

ओलेशकी में 29 अक्टूबर से सीजफायर होने का किया दावा

रूस-यूक्रेन युद्ध में मेलानिया ट्रंप की मध्यस्थता का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच दक्षिणी यूक्रेन के ओलेशकी शहर में अस्थायी युद्धविराम को लेकर बड़ा दावा किया गया है। उपलब्ध कराए गए विवरण के मुताबिक, अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप की मध्यस्थता से दोनों पक्ष 29 अक्टूबर 2026 से सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हुए हैं। इसका उद्देश्य युद्धक्षेत्र में फंसे नागरिकों तक भोजन, दवाइयां और अन्य जरूरी सहायता पहुंचाना तथा उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। हालांकि, इस समझौते

और व्हाइट हाउस की कथित पुष्टि की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। दावे के अनुसार, मेलानिया ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के नेतृत्व के साथ संपर्क कर मानवीय सहायता के मुद्दे पर सहमति बनाने की कोशिश की। बताया गया है कि इस पहल का लक्ष्य राजनीतिक विवादों से अलग हटकर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले भी युद्ध समाप्त कराने की इच्छा जता चुके हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापक शांति समझौता अब तक नहीं हो पाया है।

दक्षिणी यूक्रेन के खेरसोन क्षेत्र में स्थित ओलेशकी युद्ध के कारण गंभीर संकट से गुजर रहा है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, युद्ध से पहले लगभग 24 हजार की आबादी वाले इस शहर में अब करीब 1,700 से 2,000 लोग ही रह गए हैं। इनमें बुजुर्गों और बच्चों की संख्या भी शामिल है। लगातार गोलाबारी, बिजली संकट और बारूदी सुरंगों के खतरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रस्तावित युद्धविराम के तहत नागरिकों तक भोजन, साफ पानी और जरूरी दवाइयां पहुंचाने की योजना

बताई गई है। जो लोग शहर छोड़ना चाहते हैं, उन्हें सुरक्षित रास्ता उपलब्ध करने की बात कही गई है। नागरिक अपनी इच्छा से रूस या यूक्रेन के सुरक्षित इलाकों में जा सकेगे। राहत अभियान से पहले रास्तों से बारूदी सुरंगें हटाना भी अहम चुनौती होगी। यदि यह समझौता लागू होता है, तो ओलेशकी के नागरिकों को तत्काल राहत मिल सकती है। हालांकि, किसी एक शहर में अस्थायी युद्धविराम का अर्थ पूरे युद्ध का अंत नहीं है।

ट्रंप ने बुजुर्गों की देखभाल के लिए 25 करोड़ डॉलर की योजना का किया ऐलान

5,000 नर्सों की होगी भर्ती

प्रस्तावित राशि का इस्तेमाल स्थायी नियुक्तियों, भर्ती प्रोत्साहन या कर्मचारियों की कमी दूर करने के अन्य उपायों के लिए किया जाएगा। इस घोषणा के दौरान अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर और सेंट्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक डॉ. मेहमत ओज भी मौजूद थे। ट्रंप ने दोनों अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सरकार की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया। रैली में राष्ट्रपति ने डॉक्टरों की पच्ची पर मिलने वाली

दवाओं की कीमतें कम करने के प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए दवाओं की कीमतों में 50 से 90 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ी घोषणा रिपब्लिकन पार्टी के व्यापक चुनावी एजेंडा का हिस्सा है। ट्रंप ने मतदाताओं से कांग्रेस के दोनों सदनों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की। अमेरिका में दीर्घकालिक देखभाल केंद्र उन



बुजुर्गों को आवासीय, चिकित्सा और नर्सिंग सेवाएं प्रदान करते हैं, जिन्हें 'दैनिक गतिविधियों में नियमित सहायता की जरूरत' होती है।

वेस्ट बैंक में इजरायली चेक पोस्ट पर फायरिंग, एक सैनिक की मौत

हेब्रोन,एजेंसी। वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के पास एक सैन्य चेकपोस्ट पर हुए भीषण हमले ने पूरे मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव बढ़ा दिया है। आम नागरिकों के वेश में आए दो हथियारबंद हमलावरों ने सुरक्षा बलों और आम लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 23 वर्षीय एक इजरायली सैनिक शहीद हो गया और चार नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाबलों ने त्वरित जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों हमलावरों को वहीं मार गिराया। इस घातक घटना के तुरंत बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु ने एक उच्च–स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई। बैठक में उन्होंने पूरे हेब्रोन शहर की घेराबंदी करने के साथ–साथ पूरे वेस्ट बैंक क्षेत्र में सख्त लॉकडाउन की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इजरायली सरकार के भीतर से अब बेहद कड़े कदम उठाने की मांग उठने लगी है। सरकार के प्रमुख मंत्रियों ने वेस्ट बैंक के विभिन्न इलाकों में भी गाजा की तर्ज पर व्यापक सैन्य अभियान चलाने की वकालत की है। उनका मानना है कि नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा के लिए संदिग्ध क्षेत्रों में फिलिस्तीनियों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध और घर–घर तलाशी अभियान चलाया जाना अनिवार्य हो गया है। जानकारी के अनुसार, हेब्रोन में शुरू होने वाली यह नाकेबंदी और संभावित तलाशी अभियान पूर्व में शरणार्थी शिविरों में की गई कंटेनर सैन्य कार्यवाहियों के मॉडल पर आधारित हो सकता है, जिससे इस पूरे क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ने की आशंका है। यदि हेब्रोन और इसके आसपास के इलाकों में सैन्य कार्रवाई का दायरा बढ़ता है, तो पूरा क्षेत्र एक नए और गंभीर मानवीय संकट की चपेट में आ सकता है। यह हमला इजरायल में होने वाले आगामी आम चुनावों से ठीक पहले हुआ है, जिससे देश का आंतरिक राजनीतिक माहौल भी काफी गरमा गया है। इस अत्यंत संवेदनशील समय में हुई वारदात का असर सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और चुनावी माहौल पर देखने को मिलेगा। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष इसे आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने की आवश्यकता के रूप में पेश कर रहा है, वहीं राजनीतिक विरोधकों का मानना है कि यह घटना मतदाताओं की सोच और भविष्य की राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों को गहराई से प्रभावित करेगी।



पुलिस कंपनी से हो रही राम गोपाल वर्मा की वापसी

अपनी नई क्राइम थ्रिलर फिल्म पुलिस कंपनी के साथ फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निर्देशक ने एक विस्तृत नोट साझा करते हुए अपनी आगामी फिल्म के शीर्षक और उसकी बहुप्रतीक्षित रिलीज डेट का खुलासा किया। यह फिल्म अगले साल 4 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिससे उनके प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में प्रतिभाशाली अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुंबई के मशहूर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की चुनौतीपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे, जो कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। फिल्म के अनूठे शीर्षक पुलिस कंपनी को लेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी चिर-परिचित शैली में गहराई से समझाया। उन्होंने कहा, पुलिस एक संस्था है और कंपनी एक पैसा कमाने वाला संगठन है, लेकिन जब इसकी शक्तियां हद से ज्यादा बढ़ जाती हैं, तो एक संस्था कंपनी बन जाती है। इसलिए इसका नाम पुलिस कंपनी है। यह व्याख्या फिल्म के गहरे और यथार्थवादी कथानक की ओर इशारा करती है, जहां कानून प्रवर्तन के अंदरूनी कामकाज और शक्ति के दुरुपयोग को खंगाला जाएगा। टी-सीरीज और आरजीवी कंपनी के संयुक्त प्रोडक्शन तले भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म, मुंबई के अंडरवर्ल्ड के सबसे हिंसक दौर (1997 से 2004) की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म उस विशेष एनकाउंटर स्काड की कहानी को उजागर करेगी, जिसने इस अवधि के दौरान लगभग 300 गैंगस्टरों का सफाया किया था। पुलिस कंपनी केवल अपराध की दुनिया ही नहीं, बल्कि पुलिस की दुनिया के दूसरे पहलू को भी सामने लाएगी, जिसे वर्मा एक कंपनी के दूसरे रूप के तौर पर देखते हैं, जहाँ नैतिकता और भ्रष्टाचार के बीच की महीन रेखा धुंधली पड़ जाती है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ फरदीन खान, फातिमा सना शेख, परेश रावल, सौरभ शुक्ला, मकरंद देसाई और अश्विनी कालसेकर जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जो कहानी में कई परतें जोड़ेंगे। यह माना जा रहा है कि यह फिल्म राम गोपाल वर्मा को उनकी पिछली सफल अंडरवर्ल्ड जॉनर की फिल्मों जैसे कंपनी और सत्या की शैली में वापस लाएगी, जिसके लिए वे विशेष रूप से जाने जाते हैं।

कनिका ने बयां किया दर्द



अभिनेत्री कनिका मान इन दिनों बिग बॉस - 20 में नजर आ रही हैं। शो के एक एपिसोड में आसिफ खान से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे उनके परिवार वाले उनकी कीमत को मां बनने से जोड़ रहे हैं। अभिनेत्री ने मजेदार अंदाज में बताया कि उनके परिवार वाले उन्हें तब तक जीरो ही समझते हैं, जब तक वो दो-तीन बच्चे पैदा नहीं कर देतीं। परिवार की इस सोच पर उन्होंने हंसते हुए कहा, मेरे घरवाले मुझे जीरो गिनते हैं, जब तक मैं उन्हें दो-तीन बच्चे नहीं दे दूंगी, तब तक मैं जीरो ही हूँ। अभिनेत्री की इस बात पर रिएक्ट करते हुए कंटेस्टेंट और अभिनेता आसिफ ने बताया कि उनकी मां भी अक्सर बच्चे की खाहिश जाहिर करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो उनकी मां सीधे-सीधे अपनी इच्छा जताती थीं लेकिन अब मजेदार तरीके से इशारों में अपनी बात कहती हैं। आसिफ ने कहा कि उनकी मां अक्सर उनकी प्रोफेशनल उपलब्धियों को नजरअंदाज कर देती हैं और सिर्फ इसी बात पर ध्यान देती हैं कि वो कब पिता बनेंगे।



‘सॉरी बोलने में कभी दिक्कत नहीं हुई’, अक्षय खन्ना ने साझा किए निजी अनुभव

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता के साथ-साथ बेहद निजी जीवन जीने के लिए भी जाने जाते हैं। वह न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल कार्यक्रमों में अक्सर नजर आते हैं। जब अक्षय खन्ना ने बताया था कि वह अपनी मर्जी से अंतर्मुखी (इंट्रोवर्ट) नहीं हैं। अक्षय सार्वजनिक आयोजनों और मीडिया की चकाचौंध से भी दूरी बनाए रखते हैं। शूटिंग से फुर्सत मिलने पर वह अपना अधिकतर समय अलीबाग स्थित घर में बिताना पसंद करते हैं। कई साल पहले लोकप्रिय चैट शो ‘रेंडेवू विद सिमी गरेवाल’ में पहुंचने पर अभिनेत्री और होस्ट सिमी गरेवाल ने अक्षय खन्ना के व्यक्तित्व के इस रहस्यमयी पहलू को समझने की कोशिश की थी। बातचीत के दौरान सिमी ने कहा था कि अक्षय अपने आसपास एक तरह की दीवार खड़ी कर लेते हैं, जिससे लोग उनसे दूर हो जाते हैं। इस पर अक्षय ने जवाब दिया, ‘मैं शायद अब उन दीवारों को थोड़ा पारदर्शी दिखाने लगा हूँ, लेकिन वे अब भी मौजूद हैं।’ जब सिमी ने उनसे पूछा कि क्या वह बेहद संवेदनशील और भावुक व्यक्ति हैं तो अक्षय ने इसे स्वीकार करते हुए कहा, ‘जो लोग मेरे बेहद करीब होते हैं, उनके प्रति मैं बहुत संवेदनशील हूँ। उनकी छोट्टी-सी बात भी मुझे गहराई से

प्रभावित कर देती है।’ अक्षय ने यह भी माना कि वह किसी का दिल दुखाना नहीं चाहते, लेकिन कई बार अनजाने में ऐसा हो जाता है। उन्होंने कहा, ‘बाद में मुझे इसका पछतावा होता है और मैं सोचता हूँ कि दोबारा ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन कभी-कभी गलती हो ही जाती है। क्योंकि मैं खुद बहुत संवेदनशील हूँ, इसलिए दूसरों की भावनाओं को लेकर भी काफी सतर्क रहता हूँ।’ माफी मांगने को लेकर अपने विचार साझा करते हुए अक्षय ने कहा कि उन्हें कभी भी ‘सॉरी’ बोलने में परेशानी महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, ‘माफी मांगना बहुत अच्छी बात है। यह बेहद आसान है और आपको राहत भी देती है।’ इसी बातचीत के दौरान अक्षय खन्ना ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह अपनी पसंद से इंट्रोवर्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों से मिलना-जुलना और उन्हें जानना अच्छा लगता है, लेकिन यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से आसान नहीं है। अक्षय ने कहा, ‘मुझे लोगों से मिलना और उन्हें समझना अच्छा लगता है, बस मेरे पास यह करने की वो क्षमता या कौशल नहीं है। किसी काम को नहीं करना चाहने और उस न कर पाने में बहुत बड़ा अंतर होता है।’ उनके इस बयान ने यह दिखाया कि लोगों से दूरी बनाकर रखने की उनकी छवि के पीछे कोई अहंकार नहीं, बल्कि उनका स्वभाव और व्यक्तित्व है।



ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज को बताया अपनी जिंदगी का हिस्सा

पिछले दस सालों से टीवी अभिनेत्री ऐश्वर्या सखुजा ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ अपने सफर को साझा किया है। कई लोकप्रिय टीवी शो में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि यह सफर इंसुलिन लेने, शरीर को समझने और जीवनशैली में लगातार बदलाव करने का रहा है। उन्होंने इस बीमारी को अपनी जिंदगी का एक हिस्सा बताया, लेकिन पूरी पहचान मानने से इनकार किया है, जिससे लाखों लोगों को प्रेरणा मिली है। सास बिना ससुराल, मैं ना भूलूंगी, त्रिदेविया और रिश्ता डोट कॉम जैसे टीवी शो में अभिनय करने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि शुरुआत में उन्हें अपनी बीमारी का गलत पता चला था। जब तक उन्हें समझ आता कि उनके शरीर के साथ क्या हो रहा है, तब तक उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनकी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और उन्हें हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपने अनुभव बताए। उन्होंने लिखा, दस साल से इंसुलिन ले रही हूँ। दस साल से अपनी बॉडी को समझ रही हूँ। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा

हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। ऐश्वर्या ने जोर देकर कहा कि इन दस सालों में उन्होंने अपना खयाल रखने की पूरी कोशिश की है, यहाँ तक कि उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फूल-टाइम जॉब जैसा लगता है। उन्होंने व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाया और अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने सीखा है कि अपना खयाल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में उन्हें अपने शरीर के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है, खासकर उस शरीर के प्रति जिसे इंसुलिन की निरंतर आवश्यकता होती है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट किया कि वह डायबिटीज को किसी खूबसूरत चीज के रूप में पेश नहीं करेगी। उन्होंने लिखा, यह थका देने वाली, कई बार नाइंसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है, लेकिन मेरी पूरी पहचान नहीं। अपनी पोस्ट के आखिर में, ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ जी रहे अन्य लोगों को भी हिम्मत दी।



अक्षय और प्रियदर्शन की फिल्म की शूटिंग नवंबर में होगी शुरू

सुपरस्टार अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी अपनी अगली कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाने जा रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रियदर्शन के निर्देशन में बनने वाली 99वीं फिल्म होगी, जो उनके शानदार करियर में एक और मील का पत्थर साबित होगी। यह फिल्म 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसमें अक्षय कुमार एक अनोखे और अतरंगी किरदार में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह अभी तक अनटाइटल फिल्म कॉमेडी से भरपूर होगी। इसमें अक्षय कुमार एक अतरंगी टाइगर हंटर के रोल में दिखेंगे, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव होगा। सोर्स ने बताया कि रमेश तौरानी के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग इस साल नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की पूरी तैयारी है। यह खबर उन दर्शकों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है, जो लंबे समय से इस जोड़ी को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। फिल्म की शूटिंग का शेड्यूल करीब तीन महीने का तय किया गया है, जिसके लिए मेकर्स ने राजस्थान के खूबसूरत वाइल्डलाइफ इलाकों को चुना है। इसके अलावा, मुंबई में भी विशाल सेट बनाकर शूटिंग की जाएगी और भोपाल की आकर्षक लोकेशंस पर भी कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों को फिल्माया जाएगा। कॉमेडी के इस तगड़े डोज को ओर ज्यादा मजेदार बनाने के लिए फिल्म में अनू कपूर और राजपाल यादव जैसे दिग्गज सितारों की एंट्री हो चुकी है, जिनकी कॉमिक टाइमिंग दर्शकों को खूब गुदगुदाएगी। हालांकि, फिल्म के मेकर्स फिलहाल लीड एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं, जो जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। इस फिल्म की कहानी प्रियदर्शन और रोहन शंकर ने मिलकर लिखी है, जो इससे पहले अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए भी साथ काम कर चुके हैं। इस बारे में निर्देशक प्रियदर्शन से संपर्क किया, तो उन्होंने फिलहाल ज्यादा जानकारी देने से बचते हुए कहा कि प्रोजेक्ट को पूरी तरह लॉक हो जाने दीजिए, फिर मैं इस पर विस्तार से बात करूंगा। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह जोड़ी शानदार कॉमेडी फिल्मों के लिए जानी जाती है, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कल्ट क्लासिक्स दिए हैं।

रामायण का हॉलीवुड में वर्ल्ड प्रीमियर



भारतीय सिनेमा के लिए एक खास उपलब्धि के तौर पर नमित मल्होत्रा की फिल्म ‘रामायण-राइज ऑफ अ लीजेंड’ का वर्ल्ड प्रीमियर लॉस एंजलिस के प्रतिष्ठित एफेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स में आयोजित किया जाएगा। निर्माताओं के मुताबिक, यह खास कार्यक्रम 27 अक्टूबर को डेविड गेफेन थिएटर में होगा, जिसमें करीब 945 मेहमान शामिल होंगे। भारतीय संस्कृति और दिवाली की भावना को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करने की तैयारी के बीच यह आयोजन फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और इसे बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है। ‘रामायण-राइज ऑफ अ लीजेंड’ का प्रीमियर सिर्फ फिल्म की स्क्रीनिंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके जरिए भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी सामने लाने की योजना है। आयोजकों ने मेहमानों से पारंपरिक भारतीय उत्सवी परिधान पहनकर आने का अनुरोध किया है, ताकि दिवाली के रंग और रौनक अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे सकें। कार्यक्रम में हॉलीवुड की हस्तियों, फिल्म निर्माताओं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

जेलर 2 की बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई, हो रहा विवाद भी

बॉलीवुड की फिल्म जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म ने महज 5-6 दिनों में वर्ल्डवाइड 541 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। हालांकि, मोहनलाल के कैमियो को लेकर एक विवाद खड़ा हो गया है, जिस पर उनके बॉडी डबल जॉबी कोडाकारा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और पूरे मामले पर स्पष्टीकरण दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब जेलर 2 की रिलीज के दिन जॉबी कोडाकारा ने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के साथ कुछ तस्वीरें

सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद अटकलें लगने लगीं कि फिल्म के कुछ दृश्यों में मोहनलाल की जगह उनके बॉडी डबल का इस्तेमाल किया गया है। कुछ दर्शकों ने तो यह दावा भी कर दिया कि जॉबी ने मोहनलाल के कई दृश्यों, यहां तक कि फिल्म के क्लाइमेक्स के महत्वपूर्ण दृश्यों को भी अंजाम दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। इस विवाद के तूल पकड़ने पर, जॉबी कोडाकारा ने यूट्यूब चैनल जंगो स्पेस को दिए एक विस्तृत इंटरव्यू में अपनी बात रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेलर 2 में उनका रोल केवल सीमित था और

फिल्म में उनके केवल एक या दो शॉट्स का ही इस्तेमाल किया गया है। जॉबी ने बताया, सच कहूं तो सिर्फ मेरे हाथ और पैर ही फिल्म में दिख रहे हैं। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उनके ये शॉट्स क्लाइमेक्स के दौरान एयरपोर्ट के एक सीन में देखने को मिलते हैं, जहाँ वे गाड़ी चलाते हुए गियर बदल रहे हैं और एक्सीलरेटर दबा रहे हैं। जॉबी ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि शूटिंग शेड्यूल या समय की कमी के कारण उन्हें इस छोट्टे से काम के लिए लिया गया होगा, न कि किसी बड़े दृश्य के लिए। उन्होंने मोहनलाल को दुनिया के बेहतरीन

अभिनेताओं में से एक बताते हुए उन सभी दावों को सिर से खारिज कर दिया कि उन्होंने क्लाइमेक्स के बड़े दृश्यों में अभिनय किया या फिल्म में उनका चेहरा दिखाया गया। जॉबी की इस सफाई से मोहनलाल के कैमियो को लेकर फैला भ्रम काफी हद तक दूर हो गया है और यह स्पष्ट हो गया है कि फिल्म में मोहनलाल की उपस्थिति उनकी असली पहचान के साथ ही थी। मालूम हो कि फिल्म में रजनीकांत के अलावा मिथुन चक्रवर्ती और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं श्रुतिक रोशन और मोहनलाल जैसे दिग्गजों के कैमियो ने दर्शकों को खूब लुभाया है।



देहरादून में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर प्रशासन की कार्रवाई, 104 सिलेंडर जब्त

रानीपोखरी की जाखन नदी में उपखनिज निकासी का कार्य शुरू

देहरादून, देहरादून। घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस के अनधिकृत इस्तेमाल और अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ जिला प्रशासन एवं पूर्ति विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। त्योहारों के महेनजर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत देहरादून नगर क्षेत्र के होटल-रेस्तरेंटों में जांच की गई, जबकि छिद्रखाला में अवैध गैस रिफिलिंग के मामले में कार्रवाई करते हुए घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए। मामले में दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी और थाना रायवाला में प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी ने दी है।

होटल-रेस्टॉरेंटों में जांच, 10 घरेलू सिलेंडर जब्त
जिला पूर्ति विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, देहरादून नगर क्षेत्र के विभिन्न होटल एवं रेस्तरेंटों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों का अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर 10 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। जब्त सिलेंडरों को संबंधित गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में जमा कराया गया है। छिद्रखाला में अवैध रिफिलिंग पर कार्रवाई



छिद्रखाला क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार किए जाने का मामला सामने आने पर प्रवर्तन टीम ने कार्रवाई की। विभागीय प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इस कार्रवाई में 94 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए। प्रकरण में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध थाना रायवाला में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफपी) दर्ज कराई गई है। साथ ही, मौके से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

त्योहारों के महेनजर निगरानी बढ़ाई

जिला पूर्ति अधिकारी देहरादून केके अग्रवाल ने कहा कि त्योहारों के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों की मांग और उपयोग पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल निर्धारित घरेलू प्रयोजनों के लिए ही किया जाना चाहिए। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस का अनधिकृत उपयोग, अवैध रिफिलिंग और गैस की कालाबाजारी के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से औचक निरीक्षण और जांच अभियान जारी रखा जाए। घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग करने तथा अवैध रिफिलिंग के कारोबार में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अभियान आगे भी रहेगा जारी

जिला पूर्ति अधिकारी केके अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग एवं अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। विभाग की ओर से ऐसे मामलों पर निगरानी रखी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



देहरादून देहरादून जनपद के रानीपोखरी क्षेत्र में जाखन नदी से उपखनिज निकासी का कार्य शुरू हो गया है। वन विकास निगम की देखरेख में शुरू हुई इस प्रक्रिया को लेकर विभागीय स्तर पर कार्रवाई आगे बढ़ाई गई है। वन विकास निगम की प्रबंध निदेशक (एमडी) नीना ग्रेवाल और देहरादून के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) वैभव कुमार ने कार्य शुरू कराया जाखन नदी क्षेत्र में उपखनिज निकासी की शुरुआत को स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस कार्य के तहत नदी क्षेत्र से निर्धारित प्रक्रिया के

अनुसार उपखनिज निकाला जाना प्रस्तावित है। वन विकास निगम की देखरेख में संचालित होने वाले इस कार्य में विभागीय नियमों और निर्धारित मानकों का पालन महत्वपूर्ण रहेगा।

वन विकास निगम की देखरेख में होगा कार्य

रानीपोखरी की जाखन नदी में उपखनिज निकासी का कार्य वन विकास निगम की निगरानी में शुरू किया गया है। निगम की एमडी नीना ग्रेवाल और डीएफओ देहरादून वैभव कुमार की मौजूदगी में कार्य की शुरुआत कराई गई। विभागीय देखरेख में इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। नदी क्षेत्र में उपखनिज निकासी के दौरान निर्धारित नियमों, पर्यावरणीय मानकों और संबंधित विभागीय दिशा-निर्देशों का पालन आवश्यक है।

स्थानीय गतिविधियों पर भी रहेगी नजर

जाखन नदी क्षेत्र में उपखनिज निकासी शुरू होने के बाद इससे जुड़ी गतिविधियों पर विभागीय निगरानी महत्वपूर्ण होगी। खनिज निकासी के दौरान निर्धारित सीमाओं और स्वीकृत शर्तों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि नदी क्षेत्र का प्रबंधन व्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

देहरादून में किराये के कमरे में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़



देहरादून देहरादून में अनैतिक देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दून पुलिस ने पटेलनगर क्षेत्र में चल रहे कथित देह व्यापार के धंधे का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने संस्कृति लोक कॉलोनी, ब्राह्मणवाला स्थित एक मकान में छापेमारी कर इस मामले में एक महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस

के अनुसार, किराये के कमरे में संचालित इस गतिविधि में बाहरी जनपदों और राज्यों से महिलाओं को बुलाया जाता था। मौके से पुलिस ने आपतिजनक सामग्री, दवाइयां और देह व्यापार से अर्जित बताए जा रहे 3,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की धारा 3, 4, 5 और 7 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की छापेमारी

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 23 अक्टूबर 2026 को कोतवाली पटेलनगर के प्रभागी निरीक्षक को सूचना मिली कि संस्कृति लोक कॉलोनी की लेन नंबर-1 स्थित एक मकान में किराये पर कमरा लेकर अनैतिक देह व्यापार कराया जा रहा है।

हल्द्वानी की स्वाति को मिला यंग साइंटिस्ट अवार्ड

हल्द्वानी। हल्द्वानी निवासी स्वाति जोशी को दिल्ली की प्रतिष्ठित संस्था ने यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया है। श्री गुरु राम राय विवि देहरादून में कृषि, बागवानी और वानिकी : जलवायु-प्रतिरोधी फसल प्रणालियों के लिए नवाचार विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में यह पुरस्कार मिला। डीएसबी परिसर नैनीताल की शोध छात्रा स्वाति ने फ्रेश वाटर जलाशयों में बीमार मछलियों में पाए जाने वाले बैक्टीरिया की पहचान और पृथक्करण पर शोध प्रस्तुति दी जिसे निर्णायकों ने खूब सराहा। स्वाति के साथ ही उनके पिता जीवन चंद्र जोशी व माता बिना जोशी को लोगों ने बधाई दी है।

संक्षिप्त समाचार पालिका में सभी छोटे-बड़े कार्यों की निविदा जारी करने का प्रस्ताव पारित

नई टिहरी। नगर पालिका की बौर्ड बैठक खूब हंगामेदार रही। सदस्यों ने स्त्रैम की नीलामी प्रक्रिया पर सवाल उठाया। बैठक में पिछले भुगतान को लेकर डीएम को फर्जी हस्ताक्षरों का पत्र देने का मुद्दा भी गस्माया रहा। इस दौरान कुल वार्षिक बजट की 30 प्रतिशत धनराशि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर खर्च करने और ढाई लाख रुपये से भी कम सभी कार्यों का ओपन टेंडर लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। नई टिहरी नगर पालिका की बौर्ड बैठक शुरू होते ही सभासदों ने स्त्रैम की नीलामी को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया। सभासद विजय कटैत और नवीन सेनवाल ने नगर क्षेत्र में स्थित विभिन्न पार्क और बौराड़ी बस अड्डे से निकाले गए स्त्रैम की नीलामी को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इसमें कई अनियमितताएं बरती गई हैं।

पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने कहा कि नीलामी में पूरी पारदर्शिता बरती गई है। बावजूद सभासदों को गुड़बड़ी की आशंका है, तो इसकी जांच कराई जाएगी। सभासद मानवेंद्र सिंह रावत ने पिछले कार्यकाल के दौरान मोकरी में स्थापित 52 लाख रुपये की कूड़ा निस्तारण कॉम्पेक्टर मशीन शुरू होने से पहले ही 32 लाख भुगतान का मामला उठाया। इसको लेकर सदस्यों के बीच काफी बहस हुई।

मिलेट कार्यशाला में सीखा इंगोरे का दलिया बनाना

चोपता। राइका जवाहर नगर मयकोटी में मिलेट पर आधारित प्रशिक्षण कार्यशाला में छात्र-छात्राओं व महिला स्वयं सहायता समूहों ने मोटे अनाजों से निर्मित प्रोडक्ट बनाने की विधि सीखी। यह कार्यशाला रिपब्लिक फाउंडेशन सोसाइटी व उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद देहरादून के माध्यम से आयोजित की जा रही है। शनिवार को कार्यशाला में विशेषज्ञों ने मोटे अनाज से निर्मित खाद्य पदार्थों की जानकारी दी। प्रतिभागियों ने इंगोरे का दलिया व खीर, मंडुवे से निर्मित पदार्थों के निर्माण की जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यशाला के सचिव डॉ. सचिन नेगी, विद्यालय के शिक्षक भगवान सिंह रावत, धीरेंद्र सिंह बत्वाल, अनुप नेगी, पुनम, जगदंबा चमोला, मातवर सिंह नेगी, धर्मानंद चमोला, मंजरी नेगी, स्वदेश राज, संध्या, कपिल बुटोला और राकेश लाल, नवीन बत्वाल आदि उपस्थित रहे।

जीआईसी कांडई दशज्यूला में प्रोजेक्ट स्नेह की गूंज

चोपता। राईका कांडई दशज्यूला में प्रोजेक्ट स्नेह शिविर आयोजित किया गया जिसमें बालिकाओं के सर्वांगीण विकास, संरक्षण और सशक्तिकरण को लेकर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर ने काउंसिलिंग सत्र के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों की टीम ने बालिकाओं को भविष्य संवारने का मंत्र दिया। इस अवसर पर चिकित्साधिकारी, डॉ. अंजली ममगाई, प्रभारी वन स्टॉप सेन्टर रंजना गैरोला भट्ट, सदस्य बाल विकास समिति ममता शैली व गीता मल्लासी समेत विद्यालय के प्रधानाचार्य एसके गांधियान, शिक्षिका किरन राणा, योगेश्वर बिष्ट, अनुप बगवाड़ी, वेद प्रकाश बढ़ाकोटी, तनवीर अहमद आदि मौजूद थे।

कार्यशाला में तीन स्कूलों के 50 शिक्षकों ने लिया भाग

रुद्रप्रयाग। सीबीएसई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर टीचर्स, देहरादून की ओर से शनिवार को अनुप नेगी मेमोरियल सैनिनर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, गुलाबराय में आर्ट इंटीग्रेशन पर कार्यशाला हुई। तीन विद्यालयों के 50 शिक्षकों ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन राजेश देवराणी ने बताया कि संगीत, नृत्य, चित्रकला और नाटक को विषय-शिक्षण से कैसे जोड़ा जाए। प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि इस कार्यशाला से शिक्षकों को कक्षा-शिक्षण को आनंदपूर्ण और अनुभव-आधारित बनाने की नई दिशा मिली है। इन तरीकों को अपने विद्यालयों में लागू करेंगे।

खटीमा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को खटीमा पहुंचकर लोहियाहड हेलीपैड और कैप कार्यालय में आम जनता एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका समाधान निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। लोगों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्र न काटने पड़ें, इसके लिए प्रशासन को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करना चाहिए।

सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि पर सरकार का जोर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि के मूल मंत्र के साथ काम कर रही है। शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है कि जनता की समस्याओं को समझकर उनका प्रभावी समाधान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि लोगों को कार्रवाई का संतोषजनक परिणाम मिले।

सड़क पर उभरे सीवर चैंबर से टकराई बाइक, युवा कांग्रेस नेता वेंटिलेटर

हरिद्वार। हरिद्वार में सड़क सुरक्षा और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। शांतिकुंज के पास हाईवे की सर्विस लेन पर सड़क से ऊंचे उठे सीवर चैंबर के ढक्कन से टकराकर युवा कांग्रेस के महासचिव तुषार कपिल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। फिलहाल वह देहरादून के एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर पर भर्ती हैं। जानकारी के अनुसार, उनके सिर का ऑपरेशन किया गया है और अब तक उन्हें होश नहीं आया है। इस घटना के बाद परिजन, समर्थक और कांग्रेस कार्यकर्ता उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

21 अक्टूबर की रात हुआ हादसा, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

चक्राता/देहरादून। जौनसार-बावर के सड़कविहीन उदांवा गांव तक सड़क पहुंचने की उम्मीद अब जग गई है। बुल्हाड़ा गांव से बारात के साथ करीब 18 किलोमीटर का दुर्गम रास्ता पैदल तय कर ससुराल पहुंची दुल्हन शर्मिला की गृहार पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण निर्माण विभाग को सड़क निर्माण के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। इस पहल से लंबे समय से सड़क सुविधा की बात जोह रहे ग्रामीणों में उम्मीद जगी है।

18 किलोमीटर का दुर्गम सफर बना चर्चा का विषय

चक्राता तहसील के बुल्हाड़ा गांव की शर्मिला का विवाह उदांवा गांव निवासी अनिल के साथ हुआ। विवाह के बाद जब शर्मिला बारात के साथ अपनी ससुराल के लिए रवाना हुईं, तो सड़क नहीं होने के कारण उन्हें करीब 18 किलोमीटर का दुर्गम



प्राप्त जानकारी के अनुसार, 21 अक्टूबर की रात तुषार कपिल बाइक से अकेले जा रहे थे। इसी दौरान शांतिकुंज के पास हाईवे की सर्विस लेन पर सड़क से ऊपर उठे सीवर चैंबर के ढक्कन से उनकी बाइक टकरा गई। टकरा के बाद वह सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया

जा रहा है कि घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में हादसे की तस्वीरें कैद हुई हैं। फुटेज में चकराता सीवर चैंबर से टकराने और गिरने की घटना दिखाई देने की जानकारी सामने आई है। इस घटना ने सर्विस लेन पर मौजूद सड़क संबंधी खामियों और रात के समय वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

सड़क से ऊंचे सीवर चैंबर बने खतरा, लोगों में आक्रेश

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की सतह से ऊपर उठे सीवर चैंबर वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। विशेषकर रात के समय पर्याप्त रेशनी, चेतावनी संकेत और सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में ऐसे अवरोध अचानक सामने आने पर हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की अवाश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। प्रशासनिक स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके। क्षेत्रीय विकास और नागरिक सुविधाओं पर भी चर्चा मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र की विकास संबंधी आवश्यकताओं पर चर्ची की। इस दौरान जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नागरिक सुविधाओं को मजबूत बनाने तथा क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़े मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और मतदान के लिए किया प्रेरित

नई टिहरी। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिले में मतदाता जागरूकता अभियान शुरू हो गया। सीडीओ एवं स्वीप को नोडल अधिकारी वरुणा अग्रवाल के निर्देश पर विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और विभिन्न विकासखंडों में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। बौराड़ी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने चित्रकला के माध्यम से मतदान का संदेश दिया। जीजीआईसी चंबा में जागरूकता रैली निकाली गई। जीआईसी छपरगंधार और रणसीलीधार में चित्रकला, निबंध और आलेख प्रतियोगिताओं के साथ जागरूकता रैली आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। जाखणीधार ब्लॉक के नवाकोट में जिला पंचायत राज अधिकारी एमएम खान ने ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए शपथ दिलाई। उन्होंने लोगों से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने और आगामी विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की। इस मौके पर ग्राम प्रधान यशोदा देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य गीता देवी, पूर्व प्रधान भगवती रतूड़ी, एडीओ केआर रतूड़ी, वीपीडीओ मुकेश कुमार, अश्विनी कुमार, प्रीतम सिंह रावत और ब्लॉक समन्वयक दिग्विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रकाशित होने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुंचा। मुख्यमंत्री ने मामले का संज्ञान लेते हुए ग्रामीण निर्माण विभाग को सड़क निर्माण के संबंध में निर्देश दिए हैं।

सड़क बनने से ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

उदांवा गांव तक सड़क पहुंचने से ग्रामीणों को आवागमन, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और दैनिक जरूरतों से जुड़ी सुविधाओं में राहत मिलने की उम्मीद है। पहाड़ी क्षेत्र में सड़क केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। शर्मिला की गृहार के बाद शासन स्तर पर हुई पहल से ग्रामीणों को उम्मीद बंधी है कि अब उदांवा तक सड़क पहुंचाने का सपना साकार हो सकेगा। हालांकि, ग्रामीणों की वास्तविक राहत सड़क निर्माण कार्य शुरू होने और पूरा होने पर निर्भर करेगी।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79



सानिया ने की धमाकेदार वापसी

मुंबई । टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पॉडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। खेल, एंटरटेनमेंट और बेबाक बातचीत को एक साथ लाने वाले इस पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में एक्टर सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल नजर आएंगे, जो अपने रिश्ते, शादी और साथ काम करने को लेकर खुलकर बात करते दिखेंगे। पॉडकास्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए सानिया मिर्जा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार पॉडकास्टिंग में हाथ आजमाया, तो मुझे यकीन नहीं था कि मुझे इसमें कितना मजा आएगा, लेकिन समय के साथ-साथ मुझे एहसास हुआ कि ऐसी बातचीत और लोगों को उनकी इमेज से अलग जानना कितना मनोरंजक होता है। सानिया मिर्जा ने दूसरे सीजन की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, 'पहले सीजन की सफलता और दर्शकों के रिवॉयन्स ने मुझे सीजन-2 के साथ वापस आने की और बड़ी वजह दे दी। मैंने सालों तक टेनिस कोर्ट पर धमाल मचाया है और अब एक पॉडकास्टर के तौर पर अपनी इस नई पारी को एन्जॉय कर रही हूँ। इस सीजन में हमारे पास शानदार लाइनअप है और मैं दर्शकों के साथ इन बातचीतों को देखने के लिए उत्सुक हूँ।' शो का पहला एपिसोड सानिया के सोनाक्षी और जहीर के साथ पिक्कलबॉल खेलने से शुरू होगा, जिसमें कपल के सात साल के रिश्ते पर बातचीत होगी। अभिनेत्री सोनाक्षी और उनकी पति जहीर इकबाल साल 2022 में फिल्म 'डबल एक्सल' में साथ नजर आए थे और साइकोलॉजिकल/रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ काम किया है। अभिनेत्री सोनाक्षी ने जहीर इकबाल के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'मेरे लिए ऑन स्क्रीन रोमांस करना सबसे मुश्किल काम है।

ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: फिर खिताब जीतने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली । भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चैंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कौचिंग कैंप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे।

बांग्लादेश में होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कंडीशनिंग और मैच की रणनीति पर ध्यान दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का उनके प्रदर्शन, फिटनेस स्तर, तकनीकी कौशल और समग्र तैयारियों के आधार पर आकलन किया गया। बी1 श्रेणी में नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देवराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा और मुकेश कुमार रावत को चुना गया है।

बी2 श्रेणी में दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार और नकुला बडनायक शामिल हैं। वहीं, बी3 श्रेणी में दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक को टीम में जगह मिली है।

सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महातेश जी. किवादासनवर ने चुने गए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पुरुष ब्लाइंड

क्रिकेट एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए 17 खिलाड़ियों को बधाई। हर खिलाड़ी ने

राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। हमें उम्मीद है कि वे भारत की

गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएंगे और अपना खिताब बचाने में सफल रहेंगे। मैं टीम की सफलता की कामना करता हूँ।'

भारत ने जनवरी 2016 में कोच्चि में सीएबीआई द्वारा आयोजित पहले ब्लाइंड टी20 एशिया कप को जीता था, जिसमें उन्होंने फाइनल में पाकिस्तान को 44 रनों से हराया था। भारतीय टीम ने 208/5 का स्कोर बनाया और फिर पाकिस्तान को 164 रन पर रोककर अपना पहला खिताब जीता था।

भारतीय टीम: नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देवराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा, मुकेश कुमार रावत, दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार, नकुला बडनायक, दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक।

प्रतिका ने खेली शतकीय पारी श्री चरणी का भी चला जादू



वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले वनडे मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जिम्बाब्वे से मिले 198 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने सिर्फ एक विकेट खोकर 27.1 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 15.3 ओवर में 94 रन जोड़े। मंधाना 34 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, प्रतिका ने एक छोर को संभाले रखा और उन्होंने शेफाली वर्मा संग मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। शेफाली ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रतिका ने 96 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली। प्रतिका ने अपनी इस इनिंग में 15 चौके लगाए। शेफाली और प्रतिका ने दूसरे विकेट के लिए मिलकर 70 गेंदों में 106 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। इससे पहले, भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जिम्बाब्वे की ओर से बिल्व्ड बीजा ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोरीन फिरी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मोडेंस्टर मुफिकवा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 25 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। चिपो मुगेरी-ट्रिपानो 21 रन बनाकर आउट हुईं। शर्न मेयर्स 8 रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर पवेलियन लौटीं।

डब्ल्यूपीएल में सुष्मा वर्मा के लिए बड़ी बोली लगानी चाहिए: टीम

नई दिल्ली । भारत की पूर्व क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा का मानना है कि मुंबई इंडियंस को आने वाली विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के ऑक्शन में विकेटकीपर-बैटर सुष्मा वर्मा को टारगेट करना चाहिए ताकि टॉप ऑर्डर में उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके। रीमा के मुताबिक, मुंबई को अपना आपनिंग कॉम्बिनेशन ठीक करना होगा और विकेटकीपर-बैटर जी कमलीनी का रिप्लेसमेंट ढूँढना होगा, साथ ही पांचवें सीजन से पहले अपने स्पिन और तेज गेंदबाजी विकल्पों को भी मजबूत करना होगा। मुंबई इंडियंस, जो डब्ल्यूपीएल 2026 में प्लेऑफ से चूक गई थी, ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में 11 खिलाड़ियों के एक कोर ग्रुप को रिटेन किया है।

वर्मा जी ने लगाया भारत को जीत का तिलक

रेड्डी ने दिया साथ, क्राइस्टचर्च में टीम इंडिया की मौज

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा और नितेश कुमार रेड्डी की दमदार पारी की वजह से भारत ने शनिवार को न्यूजीलैंड के हाथों से जीत छीन ली है। भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फिलिप्स और जैकब्स की दमदार पारियों की वजह से भारत के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा था, जवाब में तिलक और नितेश रेड्डी के नाबाद साझेदारी की वजह से भारत ने आखिरी ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड की शुरुआत रही खराब

इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया था। न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टिम साइफर्ट सिर्फ सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद फिन एलन को प्रिंस यादव ने बोल्ट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आए डेरिल मिचेल भी कुछ खास नहीं कर पाए। वो 6 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार का शिकार हुए। भुवी ने चार साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए विकेट निकाला।

फिलिप्स-जैकब्स की दमदार पारी

पहले मैच की तरह एक बार फिर ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने टीम के लिए शानदार पारी खेली। फिलिप्स और जैकब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की शानदार साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 43 गेंदों में चार चौकों और इतने ही छक्कों की बदौलत 70 रनों की पारी खेली। वहीं जैकब्स ने पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 46 गेंदों में 58 रन बनाए, जिसकी वजह से न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 180 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। भारत की ओर से सबसे ज्यादा दो विकेट अर्शदीप सिंह ने लिए।

तिलक वर्मा ने जड़ा अर्धशतक

तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों में 51 रन बनाए. उनकी पारी में छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। उन्होंने तेजी से रन बनाते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।दूसरी ओर, नीतीश कुमार रेड्डी ने भी आक्रामक अंदाज अपनाया. उन्होंने महज 13 गेंदों पर 26 रन बनाकर तिलक का अच्छे साथ दिया. दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन जोड़कर भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित की।

सीरीज में भारत की 2-0 से बढ़त

इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मुकाबले में भारतीय टीम की वापसी ने दिखाया कि दबाव की स्थिति में भी साझेदारी के दम पर मैच का परिणाम बदला जा सकता है. अब भारतीय टीम की नजरें सीरीज में अपनी बढ़त को और मजबूत करने पर होंगी।



मेसी का सम्मान

स्पेन ने अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान को प्रिंसेस ऑफ ऑस्ट्रेलियास अवॉर्ड दिया, हुआ जोरदार स्वागत

ओबेएदो। अर्जेंटीना के फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी का स्पेन में जोरदार स्वागत हुआ। ऑल्लिपदी में 2022 फीफा विश्व कप विजेता को देखने सैकड़ों प्रशंसक पहुंचे, जहां उन्हें प्रिंसेस ऑफ ऑस्ट्रेलियास अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ऑलंपिक्स डॉट कॉम के अनुसार, इंटर मियामी के फॉरवर्ड मेसी, अपनी पत्नी एंटोनेला रोकुल्लों के साथ पहुंचे। उन्होंने होटल के बाहर प्रशंसकों से बातचीत की और ऑटोग्राफ दिए। यह सम्मान खेल हस्तियों को उनके शानदार करियर और अपने खेल के दायरे से बाहर किए गए योगदान के लिए दिया जाता है।

मेसी ने हाल ही में लिया था संन्यास

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 2022 फुटबॉल विश्व कप का खिताब दिलाया था। इस साल भी अर्जेंटीना उनकी कप्तानी में फीफा विश्व कप में खेलने उतरी थी, लेकिन उसे फाइनल में स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अर्जेंटीना को एक विश्व कप और दो कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 208 मैच खेले हैं और 126 गोल किए हैं। उनके नाम 68 अस्सिट भी हैं। वह अर्जेंटीना के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। दो दशक से ज्यादा लंबे इस सफर में उन्होंने राष्ट्रीय टीम को चार बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई 2021 और 2024 कोपा अमेरिका, 2022 फाइनलिसिमा और सबसे बड़ा 2022 फीफा विश्व कप।

